RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 202 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 17-02-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 विपक्ष से सदाचार की उम्मीद करना बेवकूफी है : योगी आदित्यनाथ

6 अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

7 अब लीक से हटकर फिल्में नहीं बन रही : तापसी पन्नू

फर्स्ट टेक

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में बम विस्फोट

पेशावर/भाषा। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में सोमवार को एक पुलिस थाने के पास हुए बम विस्फोट में एक बच्चे सहित कम से कम दो लोगों की मौत हो गई तथा 16 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। उत्तरी वजीरिस्तान की सीमा से सटे बन्नू जिले के मेरियन पुलिस थाने के बाहर खड़े एक ऑटो रिक्शा में रखी विस्फोटक सामग्री में जोरदार धमाका हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों को इलाज के लिए बन्नू जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया। इस धमाके से आसपास के इलाकों में दहशत और डर का माहौल पैदा हो गया है। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस टुकड़ियों को भेजा गया है, इलाके की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है तथा पुलिस घटना की जांच कर रही है।

झूठे हलफनामे के लिए कांग्रेस विधायक सुब्बा रेड्डी का चुनाव रद्द

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कांग्रेस विधायक एस. एन. सुब्बा रेड्डी का बागेपल्ली विधानसभा क्षेत्र से 2023 का चुनाव सोमवार को रद्द कर दिया और अदालत ने उनके नामांकन पत्र में अनियमितताओं का हवाला देते हुए परिणाम को अमान्य घोषित किया। न्यायमूर्ति एम. जी. एस. कमल की अध्यक्षता वाली पीठ ने फैसला सुनाया कि सुब्बा रेड्डी ने अपने नामांकन पत्रों के साथ प्रस्तुत हलफनामे में झूठे और अपूर्ण खुलासे किए थे, जो चुनावी मानदंडों का उल्लंघन है। यह चुनाव याचिका उनके प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार सी. मुनिराजू ने दायर की थी, जिन्होंने तर्क दिया था कि कांग्रेस नेता ने महत्वपूर्ण जानकारी का खुलासा नहीं किया, जो चुनाव कानून के तहत भ्रष्टाचार का मामला है। याचिका को स्वीकार करते हुए उच्च न्यायालय ने सुब्बा रेड्डी के चुनाव को रद्द कर दिया, लेकिन मुनिराजू को विजयी उम्मीदवार घोषित नहीं किया।

कराची में इतिहास की सबसे बड़ी डकैती

कराची/भाषा। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची के इतिहास की सबसे बड़ी डकैतियों में से एक में अज्ञात लुटेरे लगभग 30 करोड़ पाकिस्तानी रुपये मूल्य के सोने और हीरे के जेवरात लेकर फरार हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि लुटेरों ने सप्ताहांत की छुट्टी होने के कारण दुकान बंद होने का फायदा उठाकर कराची के मलिर इलाके के पाकिस्तान कॉलोनी क्षेत्र में इस वारदात को अंजाम दिया। अधिकारी ने कहा कि लुटेरे इकबाल ज्वेलरी दुकान की तिजोरी की पिछली दीवार में छेद करके भीतर घुसे।

उद्घाटन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यहां भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का दौरा किया और परिसर में मिसाइल एकीकरण सुविधा का उद्घाटन किया। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने आकाश तृतीय और चतुर्थ रेजिमेंट युद्ध प्रणालियों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और 'माउंटेन फायर कंट्रोल रडार' का अनावरण किया। सिंह ने पुणे में स्थित कृत्रिम बुद्धिमत्ता उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एआई) का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन भी किया और औपचारिक रूप से कंपनी की एआई नीति की शुरुआत की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, केंद्रीय मंत्री को भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा विकसित एआई-आधारित समाधानों सहित कई उन्नत स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी गई, जो रक्षा तंत्र में नवाचार और स्वदेशीकरण पर बढ़ते जोर को उजागर करता है। सिंह ने इस बात को स्वीकार किया कि हवाई क्षेत्र रक्षा और ड्रोन-विरोधी अभियानों में विकसित प्रणालियों ने यह प्रदर्शित किया है कि भारत के स्वदेशी समाधान वैश्विक मानकों को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान खतरों को बेअसर करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित वायु रक्षा और ड्रोन रोधी प्रणालियों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया था। सिंह ने स्टार्टअप उद्यमियों और युवा वैज्ञानिकों से भी बातचीत की और उन्हें अधिक से अधिक उन्नत स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने अंतिम चरण में : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि देश में आने वाले वर्षों में तीन नए आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद आपराधिक मामलों में दोषसिद्धि की दर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

दिल्ली पुलिस के 79वें स्थापना दिवस परेड समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने यह भी कहा कि माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई अपने अंतिम चरण में है और इस साल मार्च तक इस खतरे को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाएगा। शाह ने कहा कि न्याय पर आधारित तीन नए आपराधिक कानून पिछले 11 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक हैं, जो आने वाले कुछ वर्षों में पूरी तरह से लागू होने के बाद मामलों के निपटारे और दोषसिद्धि की दर को बढ़ाने में मदद करेंगे। गृह मंत्री तीन नए आपराधिक कानूनों - भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) का जिक्र कर रहे थे - जिन्होंने एक जुलाई, 2024 को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और 'इंडियन एविडेंस एक्ट' (भारतीय साक्ष्य अधिनियम) की जगह थी।

'ओलचिकी' लिपि को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए कोशिशें होनी चाहिए : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि संथाली भाषा की लिपि 'ओलचिकी' को संरक्षित करने और उसको बढ़ावा देने की कोशिश की जानी चाहिए। 'ओलचिकी' लिपि के सौ साल पूरे होने के मौके पर एक सभा को संबोधित करते हुए, मुर्मू ने इस बात पर खुशी जताई कि यह लिपि डिजिटल माध्यम में बढ़ रही है।

पंडित रघुनाथ मुर्मू ने 1925 में 'ओलचिकी' लिपि तैयार की थी। तब से, यह संथाल पहचान का एक मज़बूत प्रतीक बन गई है। इसे 2003 में संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था।

अपने भाषण में, मुर्मू ने भारत को 'कई भाषाओं का बगीचा' बताया, और बातचीत में अपनी मातृभाषा का इस्तेमाल करने की अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि 'ओलचिकी' लिपि को संरक्षित करने और बढ़ावा देने की कोशिश की जानी चाहिए। इससे पहले, डॉ. आंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र के 'भीम हॉल' में एक सैन्य बैंड ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। बैंड ने सबसे पहले राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की धुन बजाई, जिसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' प्रस्तुत किया गया।

लोक कलाकारों के एक समूह ने संथाली भाषा में गाने गाए, जिसके बाद संथाली नर्तकों के एक अन्य समूह ने एक ऐसे विषय पर प्रस्तुति दी।

एआई से उत्पन्न गलत सूचना लोकतंत्र के लिए खतरा : जितिन प्रसाद

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने सोमवार को एआई उपकरणों के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के जरिये तैयार की गई गलत सूचना में लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को कमजोर करने की ताकत है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' में एक सत्र के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री ने कहा कि एआई छात्रों और शिक्षकों के लिए सीखने की प्रक्रिया को काफी बेहतर बना सकता है।

महिला गिग वर्कर अन्याय का शिकार, भाजपा सरकारें आंख मूंदे हुए हैं : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि महिला गिग वर्कर अन्याय और शोषण का सामना कर रही हैं, लेकिन केंद्र और कई प्रदेशों की भाजपा सरकारें आंख मूंदकर बैठी हुई हैं। उन्होंने पिछले दिनों अपने 'जनसंसद' कार्यक्रम में महिला गिग वर्कर के एक समूह से मुलाकात कर उनके मुद्दों को लेकर बातचीत की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष पिछले कुछ महीनों से समाज के अलग-अलग वर्ग के लोगों से मुलाकात कर रहे हैं, जिन्हें उन्होंने 'जनसंसद' नाम दिया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''कुछ दिन पहले जनसंसद में गिग वर्कर्स के प्रतिनिधिमंडल से मुलाक़ात हुई। बातचीत से साफ़ हुआ कि गिग अर्थव्यवस्था के फ़ायदे मज़दूरों तक पहुंचाने के लिए मज़बूत और ज़िम्मेदार सरकारी कार्रवाई ज़रूरी है।'' उनका कहना है, ''आज गिग वर्कर के पास न स्थिर आय है, न सामाजिक सुरक्षा, न चिकित्सा/बीमा जैसी बुनियादी सुविधाएं। कार्य-जीवन संतुलन टूटा हुआ है और बुनियादी मानवीय सम्मान भी छिन रहा है।'' राहुल गांधी ने दावा किया, ''महिला गिग वर्कर दोहरे शोषण का शिकार हैं, आर्थिक असुरक्षा के साथ-साथ सम्मान और सुरक्षा का अभाव। सहयोग देने के बजाय उनसे श्रम की गरिमा छीनी जा रही है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''इस व्यवस्था में वर्ग और जाति आधारित भेदभाव गहराई से जुड़ा है। गिग वर्क क्षेत्र में बड़ी संख्या में दलित-आदिवासी समुदायों के श्रमिक हैं, जिनके साथ शोषण और बढ़ जाता है।'' कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्यों और केंद्र में भाजपा की सरकारें इस अन्याय पर आंख मूंदे हैं तथा न मज़बूत क़ानून है, न सामाजिक सुरक्षा, न ही गिग कंपनियों की जवाबदेही है।

रोहित शेट्टी के घर पर गोलीबारी के मामले में शूटर समेत छह आरोपी गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर गोलीबारी करने के आरोप में कथित शूटर समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस के जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ ने रविवार रात हरियाणा और राजस्थान से कथित शूटर दीपक शर्मा और इस मामले में संलिप्त पांच अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को मुंबई लाया गया है। पुलिस के अनुसार 31 जनवरी और एक फरवरी दरमियानी रात बारह बज कर करीब 45 मिनट पर शेट्टी के नौ मंजिला आवासीय टावर पर पांच गोलियां चलाई गईं, जिनमें से एक गोली इमारत में स्थित एक जिम के शीशे पर जा लगी। इन हालिया गिरफ्तारियों के साथ पुलिस अब तक इस मामले में कुल 11 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

स्नेह और अपनेपन पर आधारित रिश्तों से बनता है परिवार : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघ चालक मोहन भागवत ने कहा कि परिवार स्नेह और अपनेपन पर आधारित रिश्तों से बनता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गोरखपुर मंडल ने अपने शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में कुटुंब स्नेह मिलन का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में गोरखपुर की 20 शहरी इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ-साथ चौरी चौरा और ग्रामीण गोरखपुर के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। जिला, नगर, मंडल और प्रांतीय पदाधिकारी, अतिथि कार्यकर्ता और उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि परिवार केवल एक पुरुष और एक महिला के एक छत के नीचे रहने से नहीं बनता। उन्होंने कहा, परिवार स्नेह और अपनेपन पर आधारित रिश्तों से बनता है। बच्चे के जन्म के कुछ ही समय बाद परिवार में धीरे-धीरे लगाव के बंधन विकसित होने लगते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि परिवार ही वह मूलभूत इकाई है जो अगली पीढ़ी को आकार देती है और समाज में रहने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करती है।

भागवत ने कहा कि भारत में परिवार की अवधारणा अनूठी है क्योंकि यह लेन-देन संबंधी रिश्तों के बजाय भावनात्मक जुड़ाव पर आधारित है। उन्होंने कहा कि कई देशों में, रिश्ते अक्सर संविदात्मक प्रकृति के होते हैं। भारत में, एक बच्चा परिवार में जन्म लेता है और उसी में पलता-बढ़ता है, जबकि कुछ पश्चिमी समाजों में, व्यक्ति परिवार का हिस्सा बन जाते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का उदाहरण देते हुए उन्होंने याद दिलाया कि कैसे लोगों ने अपील किए जाने पर स्वेच्छा से राष्ट्र के लिए सोना और कीमती वस्तुएं दान कीं, जो भारत में पारिवारिक और सामाजिक बंधनों की मजबूती को रेखांकित करता है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में, वैवाहिक संबंधों को छोड़कर, महिलाओं को परंपरागत रूप से मां के समान सम्मान दिया जाता है। उन्होंने कहा, हमारा दृष्टिकोण केवल वैचारिक नहीं है, यह आचरण में भी झलकना चाहिए, और इसकी शुरुआत घर से होती है। हमारी परंपरा में परिवार व्यक्ति से श्रेष्ठ है, जबकि पश्चिमी विचारधारा में व्यक्ति को परिवार से ऊपर माना जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो' का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कृत्रिम मेधा (एआई) पर यहां 'भारत मंडपम' में आयोजित प्रदर्शनी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो' का सोमवार को उद्घाटन किया।

इस प्रदर्शनी में 600 से अधिक उच्च क्षमता वाले स्टार्टअप भाग ले रहे हैं। इसके साथ 13 देशों के मंडप भी स्थापित किए गए हैं, जो एआई क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रदर्शित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रदर्शनी का उद्घटान करने के बाद इसमें हिस्सा ले रही स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉल पर जाकर कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की।

उन्होंने कंपनी के प्रतिनिधियों से उनके द्वारा प्रदर्शित उत्पादों के बारे में सवाल पूछे। प्रधानमंत्री ने प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए विभिन्न स्टॉल पर कई मिनट बिताए।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन किया। नवोन्मेषकों, शोधकर्ताओं और प्रौद्योगिकी प्रेमियों के बीच रहकर एआई, भारतीय प्रतिभा और नवाचार की असाधारण क्षमता की झलक मिलती है। हम मिलकर ऐसे समाधान तैयार करेंगे जो न केवल भारत बल्कि दुनिया के लिए उपयोगी होंगे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा पेश की

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने सोमवार को सचिवालय में राज्य योजना आयोग द्वारा तैयार वित्त वर्ष 2025-26 की आर्थिक समीक्षा पेश की। यह समीक्षा पिछले पांच वर्षों में राज्य की अर्थव्यवस्था की स्थिति और विकास को दिखाती है। इसमें यह भी बताया गया है कि राज्य की अर्थव्यवस्था के कौन से हिस्से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं और किन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। बयान के अनुसार, ''समीक्षा न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को दिखाती है, बल्कि उन क्षेत्रों को भी उजागर करती है जिन्हें सुधारने की जरूरत है, ताकि तमिलनाडु एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सके और लोगों की आय विकसित देशों के स्तर तक पहुंच सके।'' मुख्यमंत्री ने यह समीक्षा वित्त मंत्री थंगम थेनारासु, मुख्य सचिव एन. मुरुगनंदम और वित्त विभाग के सचिव टी. उदयचंद्रन की मौजूदगी में जारी की।

वैश्विक डिजिटल मंचों को कानून का पालन करना चाहिए : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि डिजिटल सामाग्री तैयार करने वाले वैश्विक मंचों को उन देशों के सांस्कृतिक संदर्भों से अवगत होना चाहिए जिनमें वे काम करते हैं और वहां के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार कार्य करना चाहिए। उन्होंने 'एआई के युग में हमारे रचनात्मक भविष्य को पुरस्कृत करना - नवाचार, विश्वास और प्रतिभा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाना' विषय से आयोजित मोशन पिक्चर एसोसिएशन के चेयरमैन और सीईओ चार्ल्स रिवकिन के साथ एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के एक आधिकारिक सैटेलाइट कार्यक्रम यह बात कही।

मंत्री ने कहा कि वैश्विक ओटीटी और डिजिटल सामग्री मंचों को अपने मूल देश के बजाय उस देश के संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार काम करना चाहिए जिसमें वे कार्यरत हैं।

वैष्णव ने रिवकिन से कहा, ''डिजिटल दुनिया में कोई भौतिक सीमा नहीं होती। ऐसे में ओटीटी मंचों के लिए सांस्कृतिक संदर्भ को भूल जाना बहुत आसान हो जाता है, जो कि बहुत महत्वपूर्ण है। एक समाज में जो सामान्य है, वह दूसरे समाज में सामान्य नहीं हो सकता है।'' उन्होंने कहा, ''और मुझे लगता है कि इसीलिए आपके (मोशन पिक्चर एसोसिएशन) और नेटफ्लिक्स जैसे वैश्विक मंचों को उस देश के सांस्कृतिक संदर्भ के प्रति जागरूक होना चाहिए जिसमें वे काम कर रहे हैं।'' मंत्री ने सरकार के कई कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में बात करते हुए कहा कि इन प्रयासों से वैश्विक मीडिया उद्योग के लिए भारत में आकर काम करने के अधिक अवसर पैदा होंगे। वैष्णव ने कहा, ''बहुत जल्द, हम 'भारत में सृजन करो' मिशन शुरू करने जा रहे हैं। सेमीकंडक्टर मिशन की तरह, यह भी उद्योग-उन्मुख, रोजगार-उन्मुख और भविष्य-उन्मुख मिशन होगा।''

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री की भी जिम्मेदारी संभाल रहे वैष्णव ने कहा, ''इसका मुख्य उद्देश्य होगा: पहला, हमारे पास जो कुछ है उसे मजबूत करना, दूसरा, यह सुनिश्चित करना कि हम सृजन के लिए दुनिया का सबसे पसंदीदा मंच बनें, तीसरा, भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं की ऐसी शृंखला तैयार करना जो अगले 25 वर्षों के लिए आवश्यक विकास को बनाए रखे।''

17-02-2026 सूर्यास्त 6:15 बजे | 18-02-2026 सूर्योदय 6:30 बजे

BSE	NSE
83,277.15 (+650.39)	25,682.75 (+211.65)

सोना	चांदी
16,108 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	252,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कानून का धर्म

धर्मों पंथों के विविध रूप,
जिनके मानक होते अनेक।
आस्था के अपने विविध रंग,
मर्यादा जिसकी रखे टेक।
आवश्यक इन पर विधि अंकुश,
जन खो सकते भ्रम में विवेक।
धर्मों के हैं अपने विधान,
पर संविधान का धर्म एक।।

भारी भीड़, लंबी कतारों के बीच 'भारत मंडपम' में एआई सम्मेलन का आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया का सबसे बड़ा एआई शिखर सम्मेलन सोमवार को भारी भीड़ और लंबी कतारों के बीच यहां 'भारत मंडपम' शुरू हुआ। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में प्रौद्योगिकी और उद्योग जगत के दिग्गज, नीति निर्माता, संस्थापक और विशेषज्ञ शामिल होंगे।

राष्ट्रीय राजधानी में सम्मेलन के प्रतिनिधियों, वक्ताओं और मेहमानों के स्वागत के लिए बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। सम्मेलन के सुबह साढ़े नौ बजे से काफी पहले ही भारत मंडपम के बाहर लंबी कतारें लग गईं, जो इस विषय और सम्मेलन में लोगों की गहरी रुचि को दर्शाता है। वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज सुंदर पिचाई, सैम ऑल्टमैन और एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दारियो अमोडेई के सत्र बुधवार से पहले शुरू नहीं होंगे। शिखर सम्मेलन के अंतिम दो दिन 19 और 20 फरवरी को दुनिया के 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख हिस्सा लेंगे। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा शामिल होंगे।

पीटीआई के संवाददाताओं की टीम ने मौके पर देखा कि विभिन्न सत्रों के लिए हॉल के बाहर लंबी कतारें लगी हुई थीं। हालांकि, कुछ व्यवस्थागत समस्याएं थीं, लेकिन सम्मेलन व्यवस्थित और अच्छी तरह से आयोजित किया गया है। साथ ही, कई समानांतर सत्र एक ही समय में हो रहे हैं जिसके कारण सभी हॉल पूरी तरह भर चुके हैं। 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में 3,250 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक सत्र होंगे। एक उत्साही प्रतिभागी ने कहा, सत्र पूरी तरह भरे हुए हैं। लंबी कतारें लगी हैं और जैसे ही हॉल भर जाते हैं, दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं, जिससे बाहर इंतजार कर रहे लोगों को परेशानी होती है। किसी सत्र से दूसरे सत्र में ऐसे आसानी से नहीं जा सकते, आपको पहले से ही पहुंचना होता है। एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि वक्ताओं की रोचक सूची ने बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया है।

आयोजकों ने कहा कि पंजीकरण अपेक्षाओं से अधिक हुए हैं, जो एआई बुनियादी ढांचे, व्यवसाय में एआई अपनाने और देश की कंप्यूटिंग क्षमताओं में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। एआई के युग में रोजगार के भविष्य, कौशल विकास, बड़े पैमाने पर सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, एआई शासन और बुनियादी ढांचा, जनरेटिव एआई के उपयोग, और सार्वजनिक क्षेत्र में एआई के मामलों पर पैनल चर्चाओं में इतनी भीड़ हुई कि सभी खड़े होकर ही सत्र सुन सके। प्रतिभागी सत्रों के बीच गलियारों में खड़े होकर अपने विचार साझा कर रहे थे।

साथ ही, सम्मेलन के दौरान एआई एक्सपो का भी आयोजन किया गया है, जहां प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां जैसे गूगल, एनवीडिया, अमेज़न, मेटा, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और भारत की बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने एआई नवाचार को प्रदर्शित कर रही हैं। यह एक्सपो एआई के बदलाव और विकास पर ध्यान केंद्रित करता है और इसमें 300 से अधिक प्रदर्शनियां, 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं। इसके अलावा, एक्सपो में पर्यावरण जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भी जोर दिया गया है। यह शिखर सम्मेलन भारत को न केवल अपनी विस्तृत प्रौद्योगिकी की अच्छी समझ वाली जनसंख्या और इंजीनियरिंग प्रतिभा को दिखाने का अवसर देता है, बल्कि वैश्विक दक्षिण देशों के लिए एआई तक समान पहुंच सुनिश्चित करने का अवसर भी प्रदान करता है। सिर्फ एआई तक व्यापक पहुंच ही नहीं, भारत'ग्लोबल एआई कॉमन्स' पर अंतरराष्ट्रीय समझौता भी करने की कोशिश कर सकता है, यानी ऐसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई के उपयोग के मामलों का एक साझा भंडार तैयार करना जिसे सभी के साथ साझा किया जा सके।

ब्रिटेन ने 2023 में पहला 'एआई शिखर सम्मेलन' आयोजित किया था, जिसमें एआई सुरक्षा और गंभीर जोखिमों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इसके बाद फ्रांस में 2025 में आयोजित अगले संस्करण में प्रौद्योगिकी में बड़े निवेशों की घोषणाएं की गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए यह अवसर है कि वह भारत के प्रभावशाली डिजिटल बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी क्षमता को प्रदर्शित कर सकें, जिसने ओपनएआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों को देश में संचालन स्थापित करने के लिए आकर्षित किया है।

जनवरी में बेरोजगारी दर मामूली बढ़कर पांच प्रतिशत पर : सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों के बीच बेरोजगारी दर जनवरी महीने में थोड़ा बढ़कर पांच प्रतिशत हो गई, जो दिसंबर, 2025 में 4.8 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी एक सरकारी सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली।

नवीनतम आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि बेरोजगारी दर में वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दर्ज की गई।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने बयान में कहा कि श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) एवं श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में गिरावट और बेरोजगारी दर में वृद्धि मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में मौसमी कारणों से हुई। आधिकारिक बयान के मुताबिक, फसल कटाई के बाद कृषि गतिविधियों में स्वाभाविक सुस्ती, निर्माण, कृषि-संबद्ध कार्य, परिवहन एवं छोटे व्यापार जैसे क्षेत्रों में सर्दियों के दौरान सुस्ती रहने और कुछ श्रमिकों का अस्थायी रूप से काम की तलाश न करना इसके प्रमुख कारण रहे। हालांकि, एनएसओ ने स्पष्ट किया कि शहरी क्षेत्रों में श्रम बाजार की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रही। विस्तृत आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण बेरोजगारी दर दिसंबर के 3.9 प्रतिशत से बढ़कर जनवरी में 4.2 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों में यह दर 6.7 प्रतिशत से बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंच गई।

स्त्री-पुरुष विभाजन के आधार पर देखें तो 15 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग के पुरुषों में बेरोजगारी दर जनवरी में स्थिर रही। इसके उलट, इस आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर दिसंबर की तुलना में बढ़ गई।

हालांकि, एनएसओ ने कहा कि महिला बेरोजगारी दर अप्रैल से दिसंबर, 2025 के दौरान दर्ज दायरे के भीतर ही बनी हुई है। यह दर्शाता है कि यह वृद्धि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का परिणाम है, न कि श्रम बाजार की संरचनात्मक कमजोरी का। कुल आबादी में से काम कर रहे या काम की तलाश में जुटे लोगों का अनुपात यानी एलएफपीआर जनवरी में घटकर 55.9 प्रतिशत रहा, जबकि दिसंबर में यह 56.1 प्रतिशत था। ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर 59.0 प्रतिशत से घटकर 58.7 प्रतिशत पर आ गया। शहरी क्षेत्रों में यह 50.3 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो दिसंबर के 50.2 प्रतिशत के लगभग बराबर है। महिला श्रम बल भागीदारी दर जनवरी में 35.1 प्रतिशत रही। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 39.7 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 25.5 प्रतिशत दर्ज की गई।

चंद्रबाबू नायडू ने बिल गेट्स को आंध्र प्रदेश सरकार की कई पहल से अवगत कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने व्हाट्सऐप के जरिये सरकारी सेवाओं तक लोगों को पहुंच प्रदान करने, संजीवनी परियोजना और राजधानी अमरावती से जुड़ी विकास परियोजनाओं सहित राज्य सरकार की कई पहल से माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स को सोमवार को अवगत कराया। राज्य सचिवालय में 'रियल टाइम गवर्नेंस सिस्टम' (आरटीजीएस) पर प्रस्तुति के दौरान मुख्यमंत्री ने गेट्स को बताया कि राज्य ने 'डेटा लेक' के माध्यम से सभी विभागों को एकीकृत किया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ''गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स ने मुख्यमंत्री नायडू के साथ सचिवालय में आरटीजीएस का दौरा किया। गेट्स ने शासन में प्रौद्योगिकी के उपयोग को देखा। नायडू ने उन्हें बताया कि कैसे नागरिक सेवाएं तेजी से प्रदान की जा रही हैं और 'रियल टाइम गवर्नेंस' के जरिये क्या परिणाम हासिल हुए हैं।'' नायडू ने बताया कि सरकार 'अवेयर 2.0' प्लेटफॉर्म के माध्यम से वास्तविक समय में जानकारी एकत्रित कर त्वरित निर्णय ले रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार यह जानने के लिए जनता की राय लेती है कि वह जिन कार्यक्रमों और योजनाओं को लागू कर रही है, वे कितनी प्रभावी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का अनुमान नियमित रूप से मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के आधार पर लगाया जाता है। विज्ञप्ति में कहा गया कि भूमि अभिलेखों की सुरक्षा के बारे में गेट्स द्वारा पूछे जाने पर नायडू ने बताया कि संगठित डिजिटल अभिलेख प्रणाली के साथ-साथ पारदर्शिता के लिए क्यूआर कोड का उपयोग किया जा रहा है। विज्ञप्ति के अनुसार गेट्स ने कहा कि ''कर संग्रह का तरीका बहुत अच्छा है'', जिस पर नायडू ने बताया कि जीएसटी के माध्यम से पूरे देश में कर संग्रह में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। इसके अलावा, गेट्स को चित्तूर जिले के कुप्पम में गेट्स फाउंडेशन के साथ मिलकर संचालित किए जा रहे स्वास्थ्य अभिलेख डिजिटलीकरण कार्यक्रम 'संजीवनी' के बारे में भी जानकारी दी गई। विज्ञप्ति में कहा गया कि इसी तरह, उन्होंने देखा कि रक्त शर्करा, मधुमेह और अन्य चिकित्सा परीक्षणों जैसे मापदंडों को कैसे दर्ज किया जा रहा है, और उन्होंने संजीवनी परियोजना के सुचारू क्रियान्वयन की सराहना की। नायडू ने एआई के उपयोग से स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और 'बायो-डिजाइन' के माध्यम से सेवाओं के वितरण के बारे में भी जानकारी दी। गेट्स ने कहा कि सस्ती मेडिकल जांच गरीबों के लिए लाभकारी होगी। इसके अलावा, नायडू ने गेट्स को ग्रीनफील्ड राजधानी अमरावती से जुड़ी विकास परियोजनाओं से अवगत कराया।

अहमदाबाद और वडोदरा के 34 स्कूलों को बम की धमकी वाले ईमेल फर्जी निकले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/वडोदरा/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद और वडोदरा के 34 स्कूलों को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले, जिसके बाद परिसरों को खाली करा लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि ये ईमेल फर्जी निकले, क्योंकि अहमदाबाद और वडोदरा के 17-17 स्कूलों में से किसी में भी कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया, जिन्हें खालिस्तान समर्थक होने का दावा करने वाले व्यक्तियों से बम की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही बम का पता लगाने और उसे निष्क्रिय करने वाले दस्तों (बीडीडीएस) को शामिल करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया गया।

पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) (एसओजी) राहुल त्रिपाठी ने बताया कि अहमदाबाद के 17 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल प्राप्त हुए। उन्होंने बताया, ''यह फर्जी ईमेल निकला। बीडीडीएस और एसओजी दलों ने इन स्कूलों के परिसरों में गहन तलाशी ली और कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया।'' वडोदरा के पुलिस उपायुक्त (अपराध) हिमांशु वर्मा ने बताया कि वडोदरा में 17 स्कूलों को ईमेल के जरिए मिली बम की धमकी फर्जी निकली। उन्होंने बताया, ''हम ईमेल के स्रोत का विश्लेषण कर रहे हैं। यह एक छोटा सा ईमेल था जिसमें दो-तीन पंक्तियां थीं, जिनमें खालिस्तान के प्रति समर्थन व्यक्त किया था और एक निश्चित समय पर बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। यह ईमेल वडोदरा के सभी स्कूलों को भेजा गया था।'' पुलिस के अनुसार, जिन संस्थानों को निशाना बनाया गया, उनमें अहमदाबाद के डीएवी इंटरनेशनल स्कूल, एशिया स्कूल, अंकुर इंटरनेशनल स्कूल और संत कबीर स्कूल, वडोदरा के डी आर अमीन स्कूल, उर्मी स्कूल, बड़ौदा हाई स्कूल और डॉन बॉस्को शामिल हैं। इससे पहले 23 जनवरी को अहमदाबाद के कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी वाले इसी तरह के ईमेल मिले, जो बाद में फर्जी पाए गए थे।

मप्र सरकार ने सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर 1.01 करोड़ रुपए के पुरस्कार की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उज्जैन (मध्यप्रदेश)/भाषा। मध्यप्रदेश सरकार ने उज्जैन के शासक रहे सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर 1.01 करोड़ रुपए का पुरस्कार देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन के महान शासक की स्मृति में 21 लाख रुपए के राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार और 5-5 लाख रुपए के तीन राज्य स्तरीय पुरस्कारों की भी घोषणा की।

उज्जैन में विक्रमोत्सव 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यादव ने कहा, सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने और उनके शौर्य, न्याय व प्रजावत्सल आदर्शों को अमर बनाने के लिए उनकी स्मृति में एक करोड़ एक लाख रुपए का सम्राट विक्रमादित्य अंतरराष्ट्रीय अलंकरण सम्मान शुरू किया जाएगा। यह देश का सबसे प्रतिष्ठित अलंकरण भारत की सांस्कृतिक गरिमा को विश्व मंच पर नई ऊंचाइयां प्रदान करेगा। यादव ने कहा कि विक्रमोत्सव की ख्याति तेजी से बढ़ रही है और यह प्रसन्नता का विषय है कि वर्ष-2024 के विक्रमोत्सव को एशिया के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन का पुरस्कार मिला। ज्ञात हो कि विक्रमोत्सव-2025 को ईमैक्सम ग्लोबल अवार्ड द्वारा 'लांगस्टैंडिंग आईपी ऑफ द इयर' से सम्मानित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष और आने वाले समय में भी विक्रमोत्सव उत्सवधर्मी सांस्कृतिक पहचान को दुनिया में स्थापित करेगा। यादव ने कहा कि विक्रमादित्य का शासनकाल दुनिया भर में शिक्षा, विज्ञान, ज्योतिष और साहित्य के स्वर्ण युग के रूप में प्रसिद्ध है।

एआई की स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए ठोस प्रतिबद्धता जरूरी : नागेश्वरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने सोमवार को कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाने के लिए प्रौद्योगिकी को व्यापक रोजगार क्षमता के साथ जोड़ने की स्पष्ट प्रतिबद्धता जरूरी है।

राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' 2026 को ऑनलाइन संबोधित करते हुए में नागेश्वरन ने कहा कि देशों को बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने, उच्च गुणवत्ता वाले कौशल विकसित करने, श्रम-प्रधान सेवा क्षेत्रों का विस्तार करने और नियामकीय अड़चनों को दूर करने जैसे निर्णायक कदम उठाने होंगे। उन्होंने कहा कि एआई को अपनाने के लिए सहयोगात्मक दृष्टिकोण जरूरी है और यह 'टीम इंडिया' का प्रयास होना चाहिए जिसमें निजी क्षेत्र, शिक्षाविदों व नीति-निर्माताओं की समान भागीदारी हो। उन्होंने कहा, '' अभी अवसरों की खिड़की खुली है लेकिन यह अनिश्चित काल तक नहीं रहेगी। हमें अभी कदम उठाने होंगे।'' सीईए ने एआई अपनाने में तात्कालिकता की जरूरत पर जोर दिया।

नागेश्वरन ने कहा, '' भारत के लिए यह काम के भविष्य पर बहस नहीं है बल्कि वृद्धि एवं सामाजिक स्थिरता के भविष्य का फैसला है।'' उन्होंने कहा कि दूरदर्शिता, संस्थागत अनुशासन और निरंतर क्रियान्वयन के साथ भारत मानव संसाधन की वास्तविक प्रचुरता दिखाने वाला पहला बड़ा समाज बन सकता है।

नागेश्वरन ने कहा कि हर साल लाखों नौकरियां उत्पन्न हो रही हैं, लेकिन कौशल का बड़ा अंतर बना हुआ है और कार्यबल का केवल छोटा हिस्सा ही औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर पाया है। उन्होंने कहा, ''यह अंतर सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं है, यह एक संरचनात्मक कमजोरी है।''

छोटे उद्यमों के लिए समय पर कर्ज उपलब्धता में सुधार लाना प्राथमिकता : आरबीआई गवर्नर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के लिए वित्तीय संस्थानों से समय पर और पर्याप्त कर्ज उपलब्धता में सुधार करना केंद्रीय बैंक की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है।

केंद्रीय बैंक के संबंधित पक्षों के साथ निरंतर बैठकों के तहत, मल्होत्रा ने चुनिंदा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) और संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक की। आरबीआई के बयान के अनुसार, मल्होत्रा ने देश के आर्थिक परिदृश्य में एमएसएमई क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जो जीडीपी, निर्यात और आजीविका में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा एमएसएमई के लिए वित्तीय संस्थानों से समय पर और पर्याप्त ऋण की उपलब्धता में सुधार करना रिजर्व बैंक की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं में से एक है।

आरबीआई गवर्नर ने केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक की तरफ से इस क्षेत्र के लिए उठाये गए विभिन्न नीतिगत और नियामकीय कदमों का उल्लेख किया। उन्होंने एमएसएमई को संगठित रूप अपनाने, ऋण अनुशासन बनाए रखने और डिजिटल भुगतान को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे दीर्घकालिक रूप से मजबूत और प्रतिस्पर्धी बन सकें।

गुजरात में बेमौसमी बारिश से प्रभावित 33 लाख किसानों को 9,610 करोड़ रुपए दिए गए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने पिछले साल बेमौसमी बारिश से प्रभावित 33 लाख से अधिक किसानों को विशेष कृषि राहत पैकेज के तहत 9,610 करोड़ रुपए का भुगतान किया है।

बजट सत्र के पहले दिन राज्य विधानसभा में अपने अभिभाषण में देवव्रत ने सरकार के प्रौद्योगिकी-संचालित प्रशासन में तब्दील होने और कृषि क्षेत्र में की गई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि केंद्र की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत गुजरात में 69 लाख से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में कुल 22,000 करोड़ रुपए से अधिक राशि अंतरित की गई है।

देवव्रत ने कहा, राज्य सरकार ने पिछले साल बेमौसमी बारिश के कारण नुकसान झेलने वाले किसानों के लिए एक बड़ा राहत पैकेज घोषित किया था, जिसके तहत 33 लाख से अधिक प्रभावित किसानों को 9,610 करोड़ रुपए वितरित किए गए हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कदमों पर भी प्रकाश डाला। देवव्रत ने कहा, राज्य सरकार ने रसायन-मुक्त खेती को बढ़ावा देने के लिए गुजरात प्राकृतिक कृषि विकास बोर्ड की स्थापना की है और दुनिया का पहला प्राकृतिक कृषि विश्वविद्यालय स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि 19 लाख से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती से जुड़ी तकनीकों में प्रशिक्षित किया गया है और आठ लाख से ज्यादा किसानों ने प्राकृतिक खेती से संबंधित पद्धतियां अपनाई हैं।

राज्यपाल ने कहा, राज्य भर में लगभग 7,100 आदर्श खेत बनाए गए हैं। डांग जिले को (खेती के मामले में) पूरी तरह से रसायन-मुक्त घोषित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रशासन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित पहल लागू की हैं। देवव्रत ने कहा, शासन प्रदर्शन सूचकांक को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री डैशबोर्ड शुरू किया गया है। आई-ओआरए और गरवी-2.0 जैसे पोर्टल के जरिये भूमि संबंधी सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे नागरिकों के लिए सरल, त्वरित एवं पारदर्शी सेवाएं सुनिश्चित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने के लिए नए जिलों और तालुकों के निर्माण के साथ प्रशासनिक विकेंद्रीकरण को प्राथमिकता दी गई है।

रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए देवव्रत ने कहा, राज्य सरकार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले एक साल में 30,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे गए हैं। दो लाख से अधिक पदों को चरणबद्ध तरीके से भरने के लिए 10 साल की भर्ती योजना तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि 'गुजरात कर्मयोगी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना' के तहत सरकारी कर्मचारियों को 10 लाख रुपए तक के 'कैशलेस' इलाज की सुविधा प्रदान की जा रही है।

सांस्कृतिक पहल का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले के 1,000 साल पूरे होने की याद में किया गया था, जो हमारे सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल और आदिवासी नेता बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में करमसाद से 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' तक आयोजित मार्च का भी उल्लेख किया।

देवव्रत ने कहा कि आदिवासियों के योगदान का सम्मान करने के लिए 2025 को 'जनजातीय गौरव वर्ष' के रूप में मनाया गया। उन्होंने कहा, 'विकसित गुजरात से विकसित भारत' की परिकल्पना के अनुरूप, राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में समावेशी एवं सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष ने विजय की पार्टी की नीतियों पर उठाए सवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने अभिनेता-राजनेता विजय की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के पास कोई स्पष्ट नीति नहीं है। नागेंद्रन ने सवाल उठाया कि क्या विजय की पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में जनता से संपर्क करने की कोई ठोस नीति रखती है। उन्होंने विजय को पार्टी की नीतियों की घोषणा करने की चुनौती दी।

भाजपा नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''क्या उनके पास कोई नीति है? उन्होंने 'नीति' (शब्द) केवल कागज पर लिखा है। उन्हें अपनी पार्टी की नीतियां स्पष्ट रूप से बतानी चाहिए।'' इससे पहले, ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री डी.सी. श्रीनिवासन ने विजय को चुनौती दी कि वे अन्नाद्रमुक के नेताओं और पूर्व मुख्यमंत्रियों एम जी रामचंद्रन व जे. जयललिता के नाम लिये बिना विधानसभा चुनाव लड़कर दिखाएं।

श्रीनिवासन ने कहा, ''यदि वह अपनी ताकत और पहचान पर भरोसा रखते हैं, तो उन्हें हमारे नेताओं की विरासत का जिक्र करना और उनकी तस्वीरें दिखाना बंद करना चाहिए, और फिर चुनावी मैदान में मुकाबला करना चाहिए।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक मार्च की बैठक के स्थल का निरीक्षण करने के बाद संवाददाता सम्मेलन में नागेंद्रन ने कहा कि विजय को अपनी पार्टी की नीतियां और सिद्धांत पहले स्पष्ट करने चाहिए और फिर भाजपा के बारे में बात करनी चाहिए।

उन्होंने पिछले साल करूर में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत के लिए तमिलनाडु सरकार और टीवीके को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि टीवीके की पिछले हफ्ते सेलम में हुई बैठक में भी एक व्यक्ति की जान गई थी।

विजय और अभिनेत्री त्रिशा पर अपने विवादित बयान के सवाल पर भारतीय जनता पार्टी नेता ने कहा कि उनका किसी को भी ठेस पहुंचाने का इरादा कभी नहीं था। हाल में, जब उन्होंने कहा था कि विजय के पास राजनीतिक अनुभव नहीं है और उन्हें अपने परिवार पर ध्यान देना चाहिए।

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को चेन्नई में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ग्लोबल वल्लालर कॉन्फ्रेंस 2026 का उद्घाटन किया। तिरुवोट्टियूर हाई रोड का नाम वल्लालर सलाई रखा गया, उसके नाम की पट्टिका का अनावरण किया और चेन्नई में तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और चैरिटेबल एंडोमेंट्स डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित कॉन्फ्रेंस में ग्लोबल वल्लालर कॉन्फ्रेंस 2026 रिसर्च स्मारिका जारी की।

तमिलनाडु में बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम-दबाव क्षेत्र बनने से 21 फरवरी तक बारिश का अनुमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । चेन्नई स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने अनुमान लगाया है कि सोमवार तक बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है। इसके कारण आने वाले कुछ दिनों में तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में बारिश होने की संभावना है।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि इस समय भूमध्य रेखा के आसपास और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी हवा में साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इसी के प्रभाव से सोमवार तक दक्षिण बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्से और उससे लगे भूमध्यरेखीय हिंद महासागर क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। यह मौसमी प्रणाली 21 फरवरी तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बारिश की गतिविधियों को प्रभावित कर सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। फिलहाल बहुत तेज और व्यापक बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन मौसम वैज्ञानिक इस प्रणाली पर नजर रखे हुए हैं ताकि अगर यह मजबूत हो तो समय पर जानकारी दी जा सके। पूर्वानुमान के मुताबिक, राज्य के अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। खासकर तटीय और उत्तरी जिलों में आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और बीच-बीच में बारिश हो सकती है। इसके अलावा, रविवार को कुछ स्थानों पर हल्की धुंध भी बनने की संभावना जताई गई है। चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कुड्डालोर और पुडुचेरी में धुंध रहने की संभावना वाले इलाकों में बारिश हो सकती है। इन इलाकों में सुबह जल्दी आने-जाने वालों को विजिबिलिटी कम होने की वजह से सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मछुआरों को भी मौसम की ताजा जानकारी पर नजर रखने के लिए कहा गया है, खासकर दक्षिण बंगाल की खाड़ी और उससे लगे भूमध्यरेखीय समुद्री क्षेत्रों में काम करने वालों को। अधिकारियों ने कहा है कि जैसे-जैसे यह प्रणाली आगे बढ़ेगी, वैसे-वैसे नई जानकारी जारी की जाएगी। इस मौसम में बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र अक्सर तमिलनाडु में रुक-रुक कर बारिश लाते हैं, जिससे कई जिलों में सूखे जैसे हालात से कुछ राहत मिलती है। लोगों को सलाह दी गई है कि वे ताजा मौसम जानकारी के लिए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की आधिकारिक सूचनाओं पर ध्यान दें।

तमिलनाडु ने सेमीकंडक्टर, वैमानिकी क्षेत्रों में 5,900 करोड़ रुपये के निवेश के लिए किया समझौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को जापान की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी 'माइनबीमित्सुमी' और बेंगलूरु स्थित 'एक्स ग्रुप' के साथ दो अलग-अलग समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।इन समझौतों के तहत कुल 5,980 करोड़ रुपये का निवेश होगा।समझौते मुख्यमंत्री एम के स्टालिन की मौजूदगी में सचिवालय में किए गए।

अधिकारियों के अनुसार, इन निवेश से सेमीकंडक्टर और वैमानिकी क्षेत्रों में लगभग 8,400 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। जापानी कंपनी 'माइनबीमित्सुमी' की अनुषंगी कंपनी एनएमबी माइनबी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने तिरुवल्लूर जिले में एक विनिर्माण और अनुसंधान और विकास केंद्र स्थापित करने के लिए 1,980 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है। यह केंद्र महिंद्रा ऑरिजिन्स औद्योगिक पार्क में स्थित होगा और इसमें उच्च मूल्य वाले सेमीकंडक्टर, इंसुलेटेड-गेट बाइपोलर ट्रांजिस्टर (आईजीबीटी), इंटिग्रेटेड सर्किट (आईसी), मोटर और सेंसर्स का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना से लगभग 1,400 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। एक अन्य समझौते के तहत एक्स ग्रुप ने कृष्णागिरी जिले के सिप्कॉट-शूलागिरी औद्योगिक पार्क में राज्य की विमान विनिर्माण और रक्षा उपकरण विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए 4,000 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की है।

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को तिरुचिरापल्ली जिले के लालगुडी में नए बस टर्मिनस और पूरे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन किया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले द्रमुक-कांग्रेस गठबंधन में तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही, द्रमुक और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे और सरकार में भागीदारी को लेकर तनाव फिर से उभर आया है, जिससे राज्य में इंडी ब्लॉक पर संकट मंडरा रहा है। लगभग दो महीनों से, गठबंधन के सत्ता में लौटने पर शासन में औपचारिक हिस्सेदारी की कांग्रेस पार्टी की मांग को लेकर तनाव बना हुआ है।

हालांकि, सीटों के बंटवारे पर चर्चा करने के लिए 3 दिसंबर को कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन से मुलाकात की, जिससे तनाव कम होता दिख रहा था, लेकिन तमिलनाडु में एक वरिष्ठ कांग्रेस पर्यवेक्षक द्वारा सार्वजनिक रूप से गठबंधन सरकार मॉडल की वकालत करने के बाद यह मुद्दा फिर से भड़क उठा। गठबंधन वार्ता शुरू करने के लिए डीएमके की औपचारिक समिति के गठन में देरी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भी नाराज हो गए। 25 जनवरी को दिल्ली में हुई एक बैठक में राहुल ने द्रमुक की उप महासचिव कनिमोझी से नाराजगी व्यक्त करते हुए सीटों के बंटवारे पर बातचीत जल्द शुरू करने का आग्रह किया, ताकि बिहार विधानसभा चुनाव जैसी स्थिति दोबारा न पैदा हो, जहां कांग्रेस को 61 सीटों में से केवल छह सीटें ही मिली थीं। द्रमुक ने बाद में घोषणा की कि गठबंधन सहयोगियों के साथ बातचीत 22 फरवरी से शुरू होगी। हालांकि, तमिलनाडु में कांग्रेस नेताओं ने जन दबाव तेज कर दिया है। सांसद मणिकम टैगोर और ज्योतिमणि, पूर्व सांसद विश्वनाथन और पूर्व टीएनसीसी अध्यक्ष केएस अलागिरी ने सरकार में भूमिका की खुले तौर पर मांग की है, यह तर्क देते हुए कि डीएमके के लिए पार्टी के लगातार समर्थन का मतलब सत्ता-साझाकरण होना चाहिए। द्रमुक मंत्रियों रघुपाथी और राजकन्नप्पन के कड़े जवाबी बयानों ने कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष को और गहरा कर दिया है। मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से 11 फरवरी को यह कहने के बावजूद, कि सत्ता साझा करना तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा नहीं है, बहस शांत नहीं हुई है और दोनों पक्षों के नेता सोशल मीडिया पर तीखी नोकझोंक में लगे हुए हैं। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि गठबंधन की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद, पार्टी 1967 के बाद से तमिलनाडु में सत्ता में नहीं रही है। वे ऐतिहासिक उदाहरणों का हवाला देते हैं - 1984 में 61 सीटें, 1991 में 60 सीटें और 2006 में 34 सीटों के बावजूद कांग्रेस सत्ताधारी ढांचे से बाहर रही। 2021 में, डीएमके ने 173 सीटों में से 133 सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने 25 सीटों में से 18 सीटें जीतकर उच्च सफलता दर दर्ज की। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अब 45 सीटों तक की मांग कर रही है और युवा नेताओं के लिए अधिक अवसर तलाश रही है, साथ ही चेतावनी दे रही है कि असंतोष जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को विजय की टीवीके पार्टी की ओर धकेल सकता है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि डीएमके कांग्रेस को अंतिम चरण में समझौता स्वीकार करने के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से पहले छोटे सहयोगी दलों को सीटें आवंटित करने की रणनीति अपना रही है।

सीट बंटवारे को लेकर नहीं बन पा रही बात

तमिलनाडु कांग्रेस प्रमुख ने द्रमुक के साथ सत्ता साझा करने पर पार्टी सांसद के विचारों की आलोचना की

चेन्नई। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ सत्ता साझा करने के मुद्दे पर पार्टी सांसद मणिकम टैगोर के विचारों की सोमवार को कड़ी आलोचना की। सेल्वापेरुन्थागई ने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नेताओं से बड़ा कोई नहीं है, जिन्होंने पहले ही पार्टी सदस्यों को सार्वजनिक रूप से अपनी राय व्यक्त करने से परहेज करने का निर्देश दिया है।

उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि टैगोर ने विधानसभा चुनाव से पहले ही सत्ता-साझा करने के मुद्दे पर बात क्यों की और कहा कि पार्टी सदस्यों को गठबंधन पर सार्वजनिक रूप से अपने विचार जाहिर करने से बचना चाहिए। जब संवाददाताओं ने सेल्वापेरुन्थागई से 15 फरवरी को मदुरै में हुई उस बैठक के बारे में पूछा, जिसमें टैगोर ने सत्तारूढ़ द्रमुक के साथ सत्ता में हिस्सेदारी की मांग की थी, तो उन्होंने कहा, मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। विरुधुनगर के सांसद टैगोर के नेतृत्व में तिरुप्पारनकुंड्रम में आयोजित मदुरै दक्षिण जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक में इस सिलसिले में प्रस्ताव भी पारित किए गए थे।

सेल्वापेरुन्थागई ने कहा, तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के रूप में मैं एआईसीसी के निर्देशों का कड़ाई से पालन करता हूं। हमें सार्वजनिक मंचों पर गठबंधन के बारे में बात न करने का निर्देश दिया गया है। हमारे नेताओं - राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और केसी वेणुगोपाल - ने हमसे सार्वजनिक रूप से अपने विचार व्यक्त न करने के लिए कहा है। मुझे नहीं पता कि कांग्रेस में इन नेताओं से बड़ा कोई है या नहीं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी ने द्रमुक के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत करने के लिए गिरीश चोडंकर की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन पहले ही कर लिया है।

उन्होंने कहा, किसी को भी सार्वजनिक रूप से अपने निजी विचार व्यक्त नहीं करने चाहिए। एआईसीसी नेतृत्व ने भी यही कहा है और मेरा भी यही विचार है।

यह पूछे जाने पर कि क्या टैगोर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, सेल्वापेरुन्थागई ने कहा, मुझे पार्टी आलाकमान ने इस मामले पर और मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए बुलाया है। लोकतंत्र के खिलाफ जाना और आलाकमान के निर्देशों की अवहेलना करना गलत है।

श्रीलंका की नौसेना ने 25 भारतीय मछुआरों को अवैध शिकार के आरोप में गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका की नौसेना ने उसके जल क्षेत्र में अवैध शिकार के आरोप में 25 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। नौसेना ने एक बयान में कहा कि जाफना में कंकेसंथुरई के पास श्रीलंकाई जलक्षेत्र में अवैध शिकार करने के आरोप में 25 मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनकी दो नौकाएं जब्त कर ली गईं। बयान के मुताबिक, मछुआरों को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए जाफना में मायलिड्डी के मत्स्य निरीक्षक को सौंप दिया जाएगा।

कोयंबटूर में एक करोड रुपए से अधिक कीमत के सामान चोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु में कोयंबटूर शहर के सिंगनल्लूर इलाके में रविवार देर रात पान शॉप में अज्ञात बदमाशों ने 70 से अधिक सोने के सिक्के और 20 किलो चांदी चोरी की वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है। दुकान मालिक रमेश कुमार ने बताया कि उनकी दुकान घर के पास ही है और वह दुकान के पीछे स्थित अपने मकान में रहते हैं। रविवार रात वह रोज की तरह दुकान बंद कर मंदिर गए थे। इसी दौरान बदमाशों ने दुकान के पिछले हिस्से का शटर तोड़ दिया और अंदर घुस गए। आरोपियों ने दुकान में रखी तिजोरी को काटकर उसमें रखा कीमती सामान निकाल लिया और फरार हो गए। रमेश ने बताया कि चोर दुकान से करीब 70 से अधिक सोने के सिक्के और लगभग 20 किलोग्राम चांदी सहित कई अन्य जेवर भी ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक आंकी जा रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। रात में जब रमेश कुमार घर लौटे तो उन्होंने दुकान का टूटा हुआ शटर देखा। अंदर जाकर जांच करने पर सोने के सिक्के और चांदी गायब मिली। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सिंगनल्लूर पुलिस मौके पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना किया और जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने संदिग्धों का सुराग लगाने के लिए स्निफर डॉग की मदद ली है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता चल सके। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और विशेष टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। सीसीटीवी फुटेज में कुछ लोगों की पहचान की गई है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना में कितने लोग शामिल थे, अभी इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। मालिक रमेश के बयान के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा नेता नयनार नागेंद्रन की टिप्पणी 'अशोभनीय और अनुचित' : अभिनेत्री तृषा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख नयनार नागेंद्रन के एक बयान से उपजे विवाद के बीच अभिनेत्री तृषा कृष्णन ने उनकी टिप्पणी को ''अशोभनीय और अनुचित'' बताते हुए कड़ी निंदा की। आलोचना का सामना कर रहे नागेंद्रन ने पार्टी नेताओं के दबाव के बाद, अपनी टिप्पणियों को लेकर सोमवार को खेद व्यक्त किया और कहा कि उनकी जुबान फिसल गयी थी।

अभिनेत्री ने नागेंद्रन की टिप्पणी के मद्देनजर सोशल मीडिया पर एक कानूनी बयान पोस्ट किया क्योंकि प्रदेश भाजपा प्रमुख ने अपनी टिप्पणी में अभिनेत्री का संबंध अभिनेता से नेता बने विजय के साथ जोड़ा था। अभिनेत्री तृषा ने 15 फरवरी को अपने वकील के माध्यम से जारी किए गए एक बयान में किसी का नाम लिए बिना यह स्पष्ट किया कि उनका पूरी तरह से तटस्थ राजनीतिक रुख है और किसी भी राजनीतिक दल से उनका संबंध नहीं है।

अभिनेत्री की कानूनी टीम ने कहा कि तृषा को तमिलनाडु के राजनीतिक क्षेत्र के एक ''उच्च पदस्थ व्यक्ति'' से ऐसी टिप्पणी की उम्मीद नहीं थी। नागेंद्रन तमिलनाडु विधानसभा में तिरुनेलवेली विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। अभिनेत्री के कानूनी बयान में इस बात पर भी बल दिया गया कि तृषा कृष्णन ने अतीत में राजनीति के क्षेत्र को लेकर लगातार तटस्थ रुख बनाए रखा है और वर्तमान में भी ऐसा कर रही हैं। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ, जब नागेंद्रन ने विजय के राजनीति में आने और उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पर टिप्पणी करते हुए अभिनेत्री के बारे में एक व्यक्तिगत टिप्पणी की। नागेंद्रन की यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। विजय और तृषा ने 'घिल्ली' सहित कई तमिल फिल्मों में अभिनय किया है।

नागेंद्रन ने तिरुनेलवेली में संवाददाताओं से कहा कि उनकी जुबान फिसल गयी थी। उन्होंने कहा, ...जहां तक मेरे राजनीतिक जीवन का सवाल है, मैंने कभी किसी व्यक्ति के बारे में किसी भी तरह की आलोचना को बर्दाश्त नहीं किया है, न ही मैंने खुद कभी ऐसी कोई आलोचना की है। उस दिन मेरी जुबान फिसल गयी थी। यदि किसी को इससे दुख पहुंचा है, तो मैं दिल से खेद व्यक्त करता हूं।

निरीक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार को लोकनिर्माण विभाग ने तमिलनाडु विधानसभा में इंतज़ामों का इंस्पेक्शन किया क्योंकि साल 2026-2027 का अंतरिम बजट 17 फरवरी को पेश किया जाएगा।

भिवाड़ी में अवैध पटाखा फैक्टरी में आग से सात मजदूरों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी कस्बे में सोमवार को पटाखे बनाने वाली एक अवैध फैक्टरी में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे में सात लोगों की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट सुमित्रा पारीक ने बताया, इस घटना में सात लोगों की मौत हुई है। इस गारमेंट फैक्टरी में अंदर अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने कहा कि फैक्टरी में फंसे दो लोगों को निकालकर दिल्ली के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जिनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

यह हादसा भिवाड़ी के खुशखेड़ा-करोली औद्योगिक क्षेत्र में हुआ। पारीक ने कहा, परिसर को गारमेंट फैक्टरी के लिए किराए पर लिया गया था, लेकिन प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार इसमें अवैध रूप से पटाखे बनाए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि पुलिस को घटना की जानकारी नियमित गश्त के दौरान मिली, इसके बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन को तुरंत राहत और बचाव का काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने वन मंत्री संजय शर्मा को अलवर पहुंचने का निर्देश दिया। वन मंत्री दोपहर बाद मौके पर पहुंचे और प्रभावित फैक्टरी का दौरा किया। संजय शर्मा ने अधिकारियों को विस्तृत जांच करने और भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सभी औद्योगिक इकाइयों की जांच का अभियान चलाने का निर्देश भी दिया।

वन मंत्री ने कहा, भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में सभी औद्योगिक इकाइयों की जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई होगी। इससे पहले, घटना की सूचना मिलने पर जिलाधिकारी अर्तिका शुक्ला और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। शुक्ला ने मामले की जांच के आदेश दिए। प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार फैक्टरी में 20 से अधिक लोग मौजूद थे। आग लगते ही कुछ मजदूर बाहर निकलने में सफल रहे जबकि नौ लोग अंदर फंस गए। इनमें से सात की मौत हो गई। डेढ़ घंटे से अधिक समय बाद आग पर काबू पाया जा सका।

घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें आग लगने से पहले एक जोरदार धमाका होता दिख रहा है। फैक्टरी परिसर से बारूद, पटाखे और पैकिंग बॉक्स मिले हैं। शव बुरी तरह जले हुए थे और कई लोगों के सिर्फ कंकाल मिले। बचाव टीमों ने कई लोगों के बिखरे हुए शरीर के अंगों को पॉलिथीन की थैलियों में इकट्ठा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे के शिकार हुए लोग बिहार के थे और पास में किराए के घरों में रह रहे थे। फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने जयपुर में कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को तुरंत सभी राहत कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने विधानसभा में 'प्वाइंट आफ इन्फोर्मेशन' के जरिए मुद्दे को उठाया और घायलों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराने व भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए कदम उठाने की मांग की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सात लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स'पर मोदी के हवाले से कहा कि राजस्थान के भिवाड़ी में आग लगने की घटना, दुखद और बेहद अफसोसजनक है। मोदी ने कहा, जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताते हुए जांच की मांग की। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी मजदूरों की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

राज्य वन मंत्री ने लिया हालात का जायजा

जयपुर। खुशखेड़ा-भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में हुई फैक्ट्री अग्नि दुर्घटना के बाद पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने घटनास्थल का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात राज्य मंत्री अस्पताल पहुंचे और वहां मोर्चरी जाकर स्थिति देखी। राज्य मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को घटना से प्रभावित सभी व्यक्तियों को आवश्यक सहायता एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर कराई थी पति की हत्या; दोनों गिरफ्तार

जयपुर। अनूपगढ़ जिले के गांव चार जेडडब्ल्यूएम में एक महीने पहले हुई 32 वर्षीय युवक भजनलाल की हत्या उसकी ही पत्नी ने अपने प्रेमी और एक नाबालिग के साथ मिल कर कराई थी। पुलिस ने यह खुलासा करते हुए बताया कि आरोपियों को पकड़ लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पत्नी इंद्रा देवी ने अपने प्रेमी प्रभुदयाल और एक नाबालिग के साथ मिलकर 16 जनवरी को अपने पति भजनलाल की हत्या की। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने बताया कि इंद्रा देवी ने अपने प्रेमी प्रभुदयाल के साथ मिलकर पति की हत्या का षड्यंत्र रचा और भजनलाल जब घर से मोटरसाइकिल से किसी काम के लिए निकला तो इंद्रा देवी ने अपने प्रेमी प्रभुदयाल को फोन करके इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रभुदयाल ने एक नाबालिग के साथ मिलकर भजनलाल को रास्ते में रोका और लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उसे अधमरा कर दिया। इसके बाद प्रभुदयाल ने रस्सी से उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी और शव तथा उसकी मोटरसाइकिल को इंदिरा गांधी नहर में फेंक दिया था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि दो फरवरी को फलोदी क्षेत्र में नहर से भजनलाल का शव मिला। भजनलाल के पिता कृष्ण लाल ने अपने बेटे की हत्या का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी इंद्रा देवी और उसके प्रेमी प्रभुदयाल को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक नाबालिग को भी निरुद्ध किया गया है।

राजस्थान में छह हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रियाधीन : दिलावर

जयपुर। राजस्थान में छह हजार से अधिक व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रियाधीन है जिनमें से 773 पद विज्ञान संकाय के हैं। राज्य सरकार ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रश्नकाल में कहा कि राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में छह हजार 146 व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रियाधीन है और इन पदों में 773 पद विज्ञान संकाय के हैं। दिलावर ने कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तथा विभागीय पदोन्नति समिति के माध्यम से पात्र आशार्थियों की पदोन्नति के उपरांत रिक्त पदों को भरा जा सकेगा। उन्होंने विधायक हरलाल सहारण के प्रश्न के उत्तर में बताया कि नीति आयोग के निर्देशानुसार उच्च माध्यमिक स्तर के कम से कम 33 प्रतिशत विद्यालयों में विज्ञान संकाय संचालित होना आवश्यक है।

पंच गौरव योजना से निखर रहा आमेर का पर्यटन वैभव, सैलानियों को मिलेंगी विश्वस्तरीय सुविधाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी सोच एवं पर्यटन को प्रदेश की अर्थव्यवस्था का सशक्त आधार बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप पंच गौरव योजना के तहत एक जिलाएक पर्यटन स्थल के रूप में चयनित आमेर दुर्ग में सैलानियों के लिए व्यापक सुविधा विस्तार कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन जयपुर द्वारा पर्यटन विभाग एवं संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर आमेर दुर्ग में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाया जा रहा है ताकि यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को विश्वस्तरीय अनुभव प्राप्त हो सके।

अतिरिक्त जिला कलक्टर श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि आमेर दुर्ग प्रदेश की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली प्रतीक है, जहां प्रतिवर्ष लाखों पर्यटक भ्रमण के लिए आते हैं। पर्यटकों की सुविधा और विरासत संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा पंच गौरव योजना अंतर्गत 89 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। महिला पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मानसिंह महल एवं दीवाने-आम में बेबी फीडिंग रूम का निर्माण किया जा रहा है। दलाराम बाग एवं रामबाग के फव्वारों तथा रपटों के नियमित संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, जिससे परिसर की सुंदरता और आकर्षण में वृद्धि होगी।

मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि पेयजल आपूर्ति को व्यवस्थित एवं संरक्षित करने के उद्देश्य से माधोसिंह थान की ओर बड़ी पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे सम्पूर्ण महल परिसर में सुचारु जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी तथा लीकेज एवं सीपेज से ऐतिहासिक संरचना को सुरक्षित रखा जा सकेगा। रात्रिकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए सुख निवास एवं मानसिंह महल में सौम्य प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है ताकि पर्यटक शाम के समय भी दुर्ग की भव्यता का आनंद ले सकें। साथ ही सनसेट प्वाइंट एवं कपल वेडिंग फोटो साइट का विकास कर आमेर को आकर्षक पर्यटन एवं डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल के रूप में भी स्थापित किया जा रहा है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार, ब्रांडिंग एवं विपणन गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रस्तुत बजट 2026-27 में आमेर दुर्ग एवं सम्पूर्ण आमेर कस्बे में डिजिटल म्यूजियम, आधुनिक साइनेज, उन्नत लाइटिंग एवं सुव्यवस्थित पार्किंग जैसी विश्वस्तरीय सुविधाओं के विकास हेतु 50 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है, जिससे आमेर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान मिलेगी।

महाशिवरात्रि पर जयपुर के ताड़केश्वर महादेव मंदिर में पुजारियों और पुलिस में विवाद, तनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। महाशिवरात्रि के दौरान जयपुर के ऐतिहासिक ताड़केश्वर महादेव मंदिर में पुजारियों और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद होने से तनाव की स्थिति पैदा हो गई। मंदिर के पुजारियों और स्वयंसेवकों के अनुसार, रविवार रात मंदिर परिसर में तीखी बहस और हाथापाई हुई, जिससे उत्सव का माहौल बिगड़ गया। पुजारियों ने आरोप लगाया कि माणक चौक थाने के एक उप-निरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के बहाने बेल्ट और जूते पहनकर गर्भगृह में प्रवेश कर गए, जो मंदिर के नियमों का उल्लंघन है। उनका आरोप है कि इस दौरान श्रद्धालुओं से भी अभद्रता कर धक्का-मुक्की की गई।

पुजारियों का आरोप है कि जब पुलिसकर्मियों को मंदिर के नियमों का पालन करने को कहा गया तो बहस शुरू हो गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। मंदिर के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर आरोपी उप-निरीक्षक और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मामले को लेकर सोमवार सुबह हवामहल के विधायक बालमुकुंद आचार्य मंदिर पहुंचे। पुजारियों ने उपनिरीक्षक को निलंबित करने की मांग की है।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि आरोपी उपनिरीक्षक के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिल चुकी हैं। उन्होंने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। पुजारियों ने उपनिरीक्षक को निलंबित करने के लिए चार घंटे का समय दिया है और कार्रवाई नहीं होने पर मंदिर बंद करने की चेतावनी दी है।

वृहद स्तर पर मनाया जाए राजस्थान दिवस : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा है कि इस बार राजस्थान दिवस (19 मार्च 2026) को पर्यटन तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग के संयुक्त तत्वाधान में भव्य रूप से आयोजित किया जाए। जिसमें राज्य की विभिन्न कलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कला, साहित्य एवं संस्कृति विभाग द्वारा जयपुर में कला एवं संस्कृति आधारित एक दिवसीय चिंतन शिविर का बड़े स्तर पर आयोजन किया जावे। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग प्रवीण गुप्ता, आयुक्त पर्यटन श्रीमती रुक्मणि रियाड़ की उपस्थिति में सोमवार को सचिवालय में पर्यटन विभाग तथा कला, साहित्य एवं संस्कृति और पुरातत्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई जिसमें उन्होंने उक्त निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने राईजिंग राजस्थान में पर्यटन विभाग के प्रदर्शन की जानकारी ली और राजस्थान पर्यटन को आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में राजस्थान पर्यटन विभाग ने बेहतरीन उपलब्धियां हासिल की हैं। सोशल मीडिया पर राजस्थान पर्यटन की विजिबिलिटी अच्छी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान पर्यटन के साथ यहां की कला, साहित्य एवं संस्कृति अत्यंत महत्वपूर्ण है जो सम्पूर्ण विश्व को अपनी ओर आकर्षित करती है। मुख्य सचिव ने राज्य पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि राजस्थान पर्यटन विभाग के लिए कार्य किया जाना गर्व की बात है। आप सब इस पर गर्व करने के साथ ही और अधिक ऊर्जा से कार्य करें।

मुख्य सचिव ने राज्य के कला, साहित्य, संस्कृति और पुरातत्व विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि राजस्थान की संस्कृति बहुत समृद्ध है। इस राज्य के सांस्कृतिक वैभव और समृद्ध साहित्य और गौरवशाली इतिहास को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य की भाषा, साहित्य, कला से सम्बंधित प्रत्येक अकादमी वर्ष में कम से कम एक बड़ा आयोजन करें। मुख्य सचिव ने कहा कि हमारी समृद्ध कला संस्कृति और साहित्य के संरक्षण और बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि कला साहित्य एवं संस्कृति आधारित एक दिवसीय चिंतन शिविर जयपुर में बड़े स्तर पर आयोजित किया जावे, जिसमें वे उपस्थित रहेंगे।

उच्च शिक्षा को अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है राजस्थान सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि आधुनिक शिक्षा प्रणाली में नवाचार, तकनीक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, जिससे युवाओं का रोजगार प्राप्ति के साथ ही चरित्र निर्माण भी हो सके। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने तथा उसे और अधिक रोजगारपरक बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा ने यहां 'अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे युवाओं की ऊर्जा एवं क्षमताओं का इस्तेमाल राष्ट्र निर्माण में करने के लिए अपनी अहम भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को ऐसी शिक्षा चाहिए, जो परंपरा और आधुनिकता का सुंदर संगम हो तथा जहां वेदों के ज्ञान के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता की समझ हो, संस्कृत के श्लोकों के साथ कोडिंग की भाषा हो तथा योग और ध्यान के साथ रोबोटिक्स और नैनो प्रौद्योगिकी भी हो।

राज्य सरकार की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है। युवाओं को सही शिक्षा, कौशल और मार्गदर्शन देकर इस ताकत का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को पाने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, आज हमारे युवा स्टार्टअप, अनुसंधान, खेल, कला सहित विभिन्न क्षेत्रों में दुनिया में देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। हमें उनकी रचनात्मकता को पंख देते हुए उनके सपनों को साकार करने के लिए मार्ग दिखाना है, जिससे वे वैश्विक नागरिक रहते हुए भी अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान सरकार उच्च शिक्षा में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है तथा सरकार युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के भरपूर अवसर भी प्रदान कर रही है।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार ने युवाओं के साथ धोखा किया था और पेपर लीक के अनेक प्रकरण हुए थे। लेकिन मौजूदा सरकार के कार्यकाल में 351 परीक्षाएं आयोजित की गई हैं तथा एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि इस समागम का उद्देश्य है कि संस्थागत सहयोग, नेतृत्व विकास एवं नीति निर्माण के माध्यम से 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को गति मिले। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'डबल इंजन' की सरकार मुख्यमंत्री शर्मा के कुशल नेतृत्व में उच्च शिक्षा में कौशल विकास एवं व्यावहारिक ज्ञान पर बल दे रही है।

अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विदेशी महिला यात्री को कुत्ते ने काटा

जयपुर/दक्षिण भारत । जयपुर अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल-2 पर रविवार दोपहर एक कुत्ते ने दिल्ली से यहां पहुंची विदेशी महिला यात्री को काट लिया जिससे उसके पैर से खून निकलने लगा। वहां मौजूद लोगों ने महिला को तुरंत संभाला और हवाई अड्डा प्रबंधन को इसकी सूचना दी। इसके बाद महिला को निजी अस्पताल ले जाया गया। हवाई अड्डा प्रबंधन ने बताया कि विदेशी महिला यात्री बेट-एल नूरियल दोपहर दो बजे दिल्ली से जयपुर पहुंची थी। एक अधिकारी ने बताया कि 37 वर्षीय नूरियल इजराइल से भारत घूमने आई हैं और उनके साथ एक अन्य विदेशी यात्री भी था। नूरियल हवाई अड्डे से बाहर निकल रही थी, तभी आगमन क्षेत्र के द्वार के बाहर एक कुत्ते ने उनपर हमला किया।

उन्होंने बताया कि कुत्ते ने महिला के पैर पर काट लिया, जिससे उसके पांव से खून बहने लगा जिसके बाद आस-पास मौजूद यात्रियों ने शोर मचाकर कुत्ते को भगाया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद हवाई अड्डा कर्मचारियों ने मौके पर प्राथमिक उपचार दिया और घायल महिला को तुरंत निजी अस्पताल पहुंचाया गया और उन्हें इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हवाई अड्डा प्रबंधन के मुताबिक, कुत्ते का पहले ही टीकाकरण किया जा चुका है और इस वजह से खतरे की कोई बात नहीं है।

जयपुर अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहले भी कई बार कुत्तों द्वारा यात्रियों को काटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके बावजूद हवाई अड्डा परिसर में आवारा कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। हवाई अड्डा प्रबंधन का कहना है कि दिशा-निर्देशों के तहत कुत्तों को पकड़कर दूसरी जगह नहीं छोड़ा जा सकता।

आरएलएसडीसी का काम आगे बढ़ाए भाजपा सरकार : अशोक गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की 'राजस्थान लॉजिस्टिक सर्विस डिलीवरी कॉर्पोरेशन' (आरएलएसडीसी) की घोषणा को अटकाने का आरोप लगाया है। उन्होंने राज्य सरकार से आरएलएसडीसी का गठन कर काम आगे बढ़ाने की मांग की है। गहलोत ने सोमवार एक बयान में कहा हमारी (तत्कालीन) कांग्रेस सरकार ने राज्य के लाखों ठेका कर्मियों को शोषण से मुक्त कराने के लिए 'राजस्थान लॉजिस्टिक सर्विस डिलीवरी कॉर्पोरेशन' (आरएलएसडीसी) के गठन का ऐतिहासिक निर्णय लिया था।

उन्होंने कहा कि इस निगम का मुख्य उद्देश्य प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से कार्यरत हजारों कार्मिकों को पूरा मानदेय और ईपीएफ-ईएसआई जैसी सामाजिक सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करना था।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा सरकार ने कई अन्य जनहित की घोषणाओं की तरह ही इस घोषणा को भी अटका दिया है।

विपक्ष से सदाचार की उम्मीद करना बेवकूफी है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा हंगामा किए जाने की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि इससे न सिर्फ प्रदेश के संवैधानिक प्रमुख का बल्कि एक नारी का भी अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा की ओर से किया गया हंगामा न सिर्फ लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के दायरे में भी आता है।

मुख्यमंत्री ने विधानपरिषद में अपने संबोधन में कहा कि विपक्ष से सदाचार की अपेक्षा करना 'बेवकूफी' होगी। योगी ने नौ फरवरी को विधानमंडल के समवेत सदन में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के अभिभाषण के दौरान मुख्य विपक्षी दल सपा के सदस्यों द्वारा किए गए हंगामे का जिक्र करते हुए कहा, ''ऐसा करके न सिर्फ प्रदेश की संवैधानिक प्रमुख का, बल्कि एक नारी का भी अपमान हुआ है। यह न केवल लोकतंत्र को कमजोर करता है बल्कि संवैधानिक व्यवस्था से जुड़ी प्रमुख हस्तियों की अवमानना के दायरे में भी आता है।'' उन्होंने कहा, ''यह हम सब का दायित्व बनता है कि हम अपने राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करें। संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत संवैधानिक प्रमुखों के प्रति सम्मान और आदर का भाव रखें तथा कोई ऐसा आचरण न करें जो

देश की भावी पीढ़ी को गलत दिशा की ओर अग्रसर करे। खैर, जिस प्रकार का प्रतिपक्ष है, उनसे इसकी अपेक्षा करना अपने आप में एक बेवकूफी होगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि एक महिला राज्यपाल के प्रति इस प्रकार का अभद्र व्यवहार समाजवादी पार्टी की वास्तविक सोच और प्रतिपक्ष के नकारात्मक दृष्टिकोण को भी प्रदर्शित करता है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने अपराध और अव्यवस्था से अनुशासन, कर्फ्यू से कानून के राज, उपद्रव से उत्सव और समस्या से समाधान, अविश्वास से आत्मविश्वास की यात्रा तय की है। उन्होंने कहा कि आज देश और दुनिया भी इस बात को स्वीकार करती है कि उत्तर प्रदेश में बदलाव आया है।

योगी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा, ''दुर्भाग्य से अपने संकुचित एजेंडा को लेकर चलने वाली सरकारों ने प्रदेश के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया। पहचान का संकट खड़ा किया। प्रदेश को अराजकता, अव्यवस्था और अपराध का गढ़ बना दिया। कर्फ्यू यहां की पहचान बन गई थी। जिसको हम भारत के शाश्वत मूल्य की आधार भूमि मानते हैं, उस उत्तर प्रदेश में किस तरह की अव्यवस्था थी यह हम सब ने देखा है।'' भारतीय जनता पार्टी के नेता ने दावा करते हुए कहा, ''लेकिन आज मैं कह सकता हूं कि 'डबल इंजन' की सरकार की स्पष्ट नीति, साफ नियत, सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता के कारण आज हम लोगों ने उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के समक्ष बाधाओं को दूर कर उसे गति देने में सफलता प्राप्त की है और हमने राजस्व घाटे से राजस्व अधिशेष की स्थिति हासिल की है।''

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नीतिगत उदासीनता, प्रशासनिक अस्थिरता और विकास विरोधी सोच थी, उसे आज प्रदेश ने अनुशासन, निर्णायक नेतृत्व, स्पष्ट नीति और शुद्ध नियत से नए रूप में प्रस्तुत करने का कार्य किया है।

राहुल गांधी को सदन के कामकाज में रुचि नहीं : किरेन रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तवांग/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संसद के सुचारू संचालन में कोई दिलचस्पी नहीं है और कुछ गैर सरकारी संगठनों ने उन्हें सिखा-पढ़ा दिया है कि उनकी पार्टी के ''अच्छे दिन'' आएंगे, इसीलिए वह सदन को बाधित कर रहे हैं।

रीजीजू ने यह भी कहा कि सरकार संसद में स्थिति को शांत करने के लिए कांग्रेस को ''मनाने' के वास्ते कोई और कदम नहीं उठाएगी क्योंकि वह (रीजीजू) सदन के सुचारू संचालन के लिए कई प्रयास कर चुके हैं लेकिन उनका कोई फायदा नहीं हुआ। उन्होंने यहां 'पीटीआई-भाषा' से एक साक्षात्कार में कहा, '' राहुल गांधी को सदन की कार्यवाही में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्हें सिर्फ मुद्दे बनाने में दिलचस्पी है। राहुल गांधी को कुछ गैर सरकारी संगठनों ने सिखाया-पढ़ाया है कि तुम्हारा समय आएगा, लेकिन उनका समय नहीं आएगा। अगले चुनाव में (लोकसभा में) उनकी सीट और भी कम हो जाएंगी।''

रीजीजू अपने लोकसभा क्षेत्र अरुणाचल पश्चिम के दौरे पर हैं। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन को विपक्ष द्वारा सदन बाधित किए जाने से कोई समस्या नहीं है, वह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के सी वेणुगोपाल और कुछ अन्य लोगों से बात करने सहित स्थिति को शांत करने के कई प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने कहा, '' हम कांग्रेस को मनाने के लिए कुछ भी अतिरिक्त नहीं करेंगे। कांग्रेस हताश है क्योंकि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। वे स्थिति को बदलने के लिए बेताब हैं।'' केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि संसद में कांग्रेस पर छोटी पार्टियों का दबाव है कि वह सदन को बाधित न करे क्योंकि इससे उनका बोलने का समय बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा, '' पूरा विपक्ष कांग्रेस के साथ नहीं है। छोटी पार्टियां अपने-अपने दलों के समय का सदुपयोग नहीं कर पा रही हैं। छोटी पार्टियां राहुल गांधी से नाखुश हैं। उनमें से कुछ ने तो अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव पर हस्ताक्षर भी नहीं किए हैं।'' रीजीजू ने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के कुछ सदस्य उनसे लगातार कह रहे थे कि वे चाहते हैं कि सदन का कामकाज जारी रहे।

नीतीश ने योजना के तहत 25 लाख महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रुपए हस्तांतरित किए

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 25 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10-10 हजार रुपए हस्तांतरित किए। इस योजना का उद्देश्य स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने बताया कि कुमार ने अपने आधिकारिक आवास '1 अणे मार्ग' पर आयोजित कार्यक्रम में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से कुल 2,500 करोड़ रुपए की राशि वितरित की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सितंबर 2025 में बिहार की 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की थी। अधिकारियों ने बताया कि अब तक लगभग 1.81 करोड़ महिलाएं दस-दस हजार रुपए प्राप्त कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं ने इस राशि का उपयोग व्यवसाय स्थापित करने के लिए किया है, उन्हें जल्द ही दो लाख रुपए और मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने हाल ही में घोषणा की थी कि बिहार सरकार ने इस योजना के तहत चयनित लाभार्थियों को दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

ओडिशा में जातिगत विवाद समाप्त: बच्चे आंगनवाड़ी केंद्र लौटे, दलित सहायिका के हाथों बना भोजन खाया

केंद्रपाड़ा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिला स्थित एक गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में तीन महीने से जारी जातिगत विवाद सोमवार को उस वक्त समाप्त हो गया, जब अगड़ी जाति के बच्चों ने उक्त केंद्र में एक दलित महिला सहायिका द्वारा पकाया गया खाना खाया।

नामांकित 20 बच्चों में से 16 बच्चे अपने माता-पिता के साथ गलीमाला ग्राम पंचायत अंतर्गत नुगांव ग्राम स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में आए और सहायिका द्वारा बनाया गया भोजन खाया, जबकि अनुपस्थित बच्चों ने खुद के बीमार होने की सूचना दी। पिछले साल 21 नवंबर से आंगनवाड़ी केंद्र बंद था, क्योंकि वहां शर्मिष्ठा सेठी नामक एक दलित महिला को सहायिका के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके बाद, अगड़ी जाति के कई परिवारों ने अपने बच्चों को केंद्र में भेजने से इनकार कर दिया था और यहां तक कि गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए सरकार द्वारा आपूर्ति किए गए पौष्टिक खाद्य पदार्थ भी नहीं लिए।

जातिगत विवाद ने देशभर में रोष पैदा कर दिया और यह मामला संसद में भी उठा, जहां कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कार्यस्थल पर जातिगत भेदभाव को लेकर चिंता व्यक्त की। सोमवार को केंद्रपाड़ा बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) दीपाली मिश्रा और राजनगर विधायक ध्रुबा चरण साहू बच्चों का स्वागत करने के लिए आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित थे। सेठी ने कहा, ''मैंने बच्चों को रागी के लड्डू परोसे। बाद में, मैंने चावल और दालमा (सब्जी की करी) बनाई और परोसी। उन्हें खाना खाते देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। वे खिलौनों से भी खेले, जिससे केंद्र में फिर से रौनक लौट आई, जो लगभग तीन महीने से वीरान पड़ा था।'' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि अब गांव में जातिगत भेदभाव देखने को नहीं मिलेगा।'' सीडीपीओ मिश्रा ने बताया कि अभिभावकों के साथ आये बच्चे केंद्र में खुश नजर आए।

भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला करते हुए उन्हें 'असफल वंशवादी' बताया

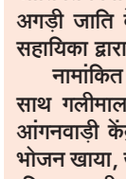

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह एक ''असफल वंशवादी'' हैं क्योंकि न तो उनकी अपनी पार्टी के नेताओं को और न ही उनके सहयोगियों को उन पर कोई भरोसा है। भाजपा ने यह हमला ऐसे वक्त किया है जब कांग्रेस की असम इकाई के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजते हुए आरोप लगाया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें ''नज़रअंदाज़ किया जा रहा है और प्रदेश इकाई में उन्हें उचित स्थान नहीं दिया जा रहा है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने 'एक्स' पर लिखा, राहुल गांधी पर नहीं है भरोसा। पूनावाला ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस कहती है राहुल को हटाओ, ममता को लाओ, 'इंडी-गठबंधन' को बचाओ। असम के कांग्रेस नेता भूपेन बोरा ने इस्तीफा दिया। मणि (शंकर) अय्यर कहते हैं कि कांग्रेस केरल हारेगी और विजयन जीतेंगे। भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या यह समझने के लिए और सबूतों की जरूरत है कि न तो गांधी की अपनी पार्टी के नेता और न ही उनके सहयोगी उन्हें गंभीरता से लेते हैं।

एसआईआर में बड़े पैमाने पर समाजवादी पार्टी के समर्थकों के नाम हटाए गए : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

यादव ने यहां सपा कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठायेगी। सपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी इस संबंध में मंगलवार को निर्वाचन आयोग को एक ज्ञापन भी सौंपेगी, जिसमें यह अपील की जाएगी कि एसआईआर में जो गड़बड़ियां की गई हैं, उन पर किन नियमों के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए और यदि कोई व्यक्ति गलत काम करने का दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। यादव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के अधिकारियों से मुलाकात के बाद सपा इस मुद्दे को विधानसभा में भी उठाएगी।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने मांग की कि फॉर्म-7 के जरिये नाम हटाने की प्रक्रिया सिर्फ बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) द्वारा शुरू की जानी चाहिए, किसी और माध्यम से नहीं। उन्होंने यह भी मांग की कि विधानसभा चुनाव क्षेत्र, बूथ नंबर और फॉर्म-7 जमा करने वाले व्यक्ति समेत पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि एसआईआर में सपा के समर्थकों के नाम गलत तरीके से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सकलडीहा विधानसभा क्षेत्र में 16 मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। विश्लेषण करने पर पता लगेगा कि वे पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) समुदाय के हैं। यादव ने आरोप लगाया कि बाबागंज विधानसभा क्षेत्र के बूथ नंबर 365 पर जाली हस्ताक्षर का हवाला देकर लगभग 100 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने कई मतदाताओं के नाम, उनके बूथ नंबर और उन्हें हटाने के लिए कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए फॉर्म-7 का विवरण भी पढ़कर सुनाया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी कई दिनों से गलत तरीके से हटाए गए नामों के बारे में आंकड़े दे रही है लेकिन उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने नंदलाल नाम के एक व्यक्ति से जुड़े मामले का भी उल्लेख किया और आरोप लगाया कि उस शख्स (नंदलाल) ने अंगूठे का निशान लगाया था लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने फार्म-7 भरने के लिए उससे हस्ताक्षर करवा लिए थे।

संसद में बोलने से 'बचते हैं' मोदी : डेरेक ओ'ब्रायन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार को सोमवार को ''खोखले शब्द'' करार दिया और कहा कि वह संसद में बोलने के बजाय ''भाग गए''। राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के नेता ओ'ब्रायन ने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए उन्हें ''टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून'' भी कहा।

ओ'ब्रायन ने साक्षात्कार पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटीआई-भाषा से कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी यानी 'टेलीप्रॉम्प्टर टाइकून' के खोखले शब्दों का एक और उदाहरण..., जो संसद में बोलने से कतराते हैं।'' हाल में बजट सत्र के दौरान एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, विपक्षी सदस्यों की लगातार नारेबाजी के बीच, लोकसभा ने प्रधानमंत्री के पारंपरिक उत्तर के बिना ही, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव को पारित कर दिया।

कांग्रेस से इस्तीफे के बाद भूपेन बोरा के लिए भाजपा के दरवाजे खुले हैं : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन बोरा के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दरवाजे उनके लिए खुले हैं।

शर्मा ने यह भी कहा कि अगर बोरा भाजपा में शामिल होते हैं तो वह उन्हें किसी ''सुरक्षित सीट'' से चुनाव जितवाने की कोशिश करेंगे। बोरा ने आज सुबह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा भेजा, जिससे असम विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने त्यागपत्र में उन्होंने दावा किया कि पार्टी नेतृत्व द्वारा उन्हें उपेक्षित किया जा रहा है और राज्य इकाई में उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है। बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष थे और पिछले साल उनकी जगह गौरव गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप दी गई। वह असम में दो बार विधायक रह चुके हैं।

शर्मा ने कहा कि बोरा कांग्रेस में ऐसे ''आखिरी हिंदू नेता'' हैं जिनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि राजनीति की नहीं है। शर्मा ने विधानसभा के बाहर पत्रकारों से कहा, '' उनके इस्तीफे से यह प्रतीकात्मक संदेश मिलता है कि कांग्रेस में किसी सामान्य परिवार का व्यक्ति तरक्की नहीं कर सकता। कांग्रेस आम परिवारों के लोगों को मान्यता नहीं देती। मैं एक साधारण मध्यमवर्गीय परिवार से हूं लेकिन भाजपा ने मुझे मुख्यमंत्री बनाया है। हम कुलीन वर्ग की राजनीति के खिलाफ खड़े हैं।'' शर्मा ने कहा कि वह कल शाम बोरा के आवास पर जाएंगे और उनकी भविष्य की योजनाओं पर बातचीत करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, '' बोरा ने अभी तक मुझसे या भाजपा से संपर्क नहीं किया है और फिलहाल हमारा उनसे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई संपर्क नहीं है।''

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जैविक लाल चावल पेश किया, परंपरागत खेती पर ज़ोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोमवार को तवांग ज़िले से जैविक लाल चावल 'रक्त' पेश किया। उन्होंने इसे राज्य में पारंपरिक खेती की समझ, विरासत को बचाने और टिकाऊ खेती का प्रतीक बताया। खांडू ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा, ''अरुणाचल प्रदेश के तवांग से प्रीमियम जैविक देसी लाल चावल रक्त चावल को पेश किया गया है।'' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह पहल स्थानीय खेती के तरीकों को एक बड़े मंच पर लाती है।

इसके सांस्कृतिक और पोषण महत्व पर ज़ोर देते हुए उन्होंने कहा कि यह उत्पाद सिर्फ़ खाने की चीज़ नहीं है, बल्कि राज्य की पहचान और पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को दिखाता है। इसकी शुरुआत और महत्व पर ज़ोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि चावल का उत्पादन और विपणन ग्रेंगखर गांव के पेमा त्सेवांग की पहल, रक्त ऑर्गेनिक करती है। खांडू ने कहा, ''यह पहल हमारी पारंपरिक ऊंचाई वाली खेती की समझ को बड़े बाजार तक पहुंचाती है।'' उन्होंने स्थानीय उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के साथ-साथ रोजी-रोटी के मौके पैदा करने की इसकी क्षमता की ओर इशारा किया। इस पहल के बड़े महत्व के बारे में बताते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्पाद सिर्फ वाणिज्यिक सफलता से कहीं ज़्यादा है। उन्होंने कहा, ''यह एक खाद्य उत्पाद से कहीं ज़्यादा, पारंपरिक बीजों की किस्मों और हमारे लोगों की खेती की विरासत को बचाता है,'' उन्होंने राज्य में देसी फसलों को बचाने और टिकाऊ खेती के तरीकों को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया।

सरकार बताए कि व्यापार समझौता बराबरी के आधार पर हुआ या जबदस्ती : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर सोमवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर भारत के हितों को दांव पर लगाने का आरोप लगाया और कहा कि देश इस बात का जवाब मांग रहा है कि यह समझौता बराबरी के आधार पर हुआ है या जबरदस्ती किया गया है।

पार्टी महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने यह दावा भी किया कि यह समझौता कई अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को खोल देगा तथा इसमें आत्मनिर्भरता के साथ भी समझौता कर लिया गया है। सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, ''व्यापार समझौते देश की संप्रभुता को त्याग कर, गुलामी का रास्ता कभी नहीं हो सकते। अमेरिका-भारत व्यापार समझौते में मोदी सरकार ने देश और किसानों की बलि दे दी। भारत की ऊर्जा सुरक्षा से सरेआम खिलवाड़ किया।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने जो किया उससे भारत की 'डिजिटल स्वायत्तता और डेटा की निजता' पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि भारतीय हितों की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े होने के बजाय इस मजबूर सरकार ने भारत की संप्रभुता और आत्मनिर्भरता से समझौता कर लिया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''देश यही सवाल पूछ रहा है कि यह 'मजबूत' सरकार है या 'मजबूर' सरकार? भारत 'आत्मनिर्भर' है या 'अमेरिका-निर्भर' हो गया? मोदी सरकार ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत के हित को दांव पर लगा दिया है।'' उनके मुताबिक, छह फरवरी, 2026 के पहले समझौते के मसौदे में ही सहमति जताई गई है कि भारत बिना किसी आयात शुल्क के अमेरिका के खाद्य व कृषि उत्पादों के लिए हमारा बाजार खोल देगा। सुरजेवाला ने सवाल किया कि अगर भारत में प्रसंस्कृत मक्का, ज्वार, सोयाबीन, फल व अन्य उत्पाद भी आएंगे, तो क्या उनका सीधा प्रभाव भारत की जैविक विविधता और बीज शुद्धता पर नहीं पड़ेगा?

भारत में नहीं दिखाई देगा वलयाकार सूर्यग्रहण का नजारा : वेधशाला

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा की चाल मंगलवार को दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में खगोल प्रेमियों को वलयाकार सूर्यग्रहण का दृश्य दिखाएगी, हालांकि चार घंटे से अधिक समय तक चलने वाली यह रोमांचक खगोलीय घटना भारत में नजर नहीं आएगी। उज्जैन की एक वेधशाला ने सोमवार को यह जानकारी दी। शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. राजेंद्र प्रकाश गुप्त ने बताया,भारतीय मानक समय के मुताबिक वलयाकार सूर्यग्रहण की शुरुआत मंगलवार को अपराह्न तीन बजकर 26 मिनट छह सेकंड पर होगी। यह खगोलीय घटना देर शाम सात बजकर 57 मिनट छह सेकंड पर खत्म होगी।'' उन्होंने बताया कि ग्रहण मंगलवार शाम पांच बजकर 41 मिनट नौ सेकंड पर अपनी चरम स्थिति में पहुंचेगा। वेधशाला अधीक्षक के मुताबिक चरमावस्था पर सूर्य और पृथ्वी के बीच चंद्रमा कुछ इस तरह आ जाएगा कि पृथ्वीवासियों को सौरमंडल का मुखिया 96.20 प्रतिशत ढका नजर आएगा और सूर्य एक चमकदार कंगन की तरह दिखाई देगा। गुप्त ने बताया,''भारत में वलयाकार सूर्यग्रहण दिखाई नहीं देगा। यह खगोलीय घटना अर्जेंटीना, चिली, दक्षिण अफ्रीका और अंटार्कटिका में अच्छी तरह निहारी जा सकेगी।''

अक्षर ने चतुराई से पाकिस्तान के बल्लेबाजों को दिया चकमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। पाकिस्तान की पारी के 11वें ओवर की चौथी गेंद के बाद अक्षर पटेल अपनी बाहें फैलाकर चेहरे पर संतोष भरी मुस्कान के साथ खड़े थे। इस भारतीय हरफनमौला ने आईसीसी टी20 विश्व कप में सोमवार को यहां खेले गए ग्रुप ए के अहम मैच में इस गेंद पर पाकिस्तान के सर्वोच्च स्कोरर उस्मान खान (44) को इशान किशन से स्टंप कराया था।

जीत के लिए 176 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही पाकिस्तान की टीम का स्कोर उस्मान के आउट होने के बाद पांच विकेट पर 73 रन हो गया था और इसके साथ ही भारत की जीत लगभग पक्की हो गई थी। मैच के नजरिए से देखें तो इस खब्बू स्पिनर का जश्न इस एहसास का परिणाम था कि उन्होंने लगभग पाकिस्तान की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। इसके पीछे हालांकि आत्मसंतुष्टि की भावना भी छिपी हो सकती है। उस्मान ने अपनी 34 गेंदों की पारी में अक्षर के खिलाफ छह चौके जड़े थे, जिसमें दो मौकों पर लगातार चौके भी शामिल थे। लेकिन उनके आउट होने का क्षण ज्यादा नाटकीय नहीं था। यह गेंद कुलदीप यादव या वरुण चक्रवर्ती की बड़े टर्न के साथ बल्लेबाज को चकमा देने वाली गेंद नहीं थी। अक्षर वैसे भी गेंद को बहुत ज्यादा टर्न कराने की जगह लेंथ में चतुराई से बदलाव कर बल्लेबाजों की परीक्षा लेते हैं।

अक्षर ने उस्मान के आगे बढ़कर खेलने के प्रयास को भांपते हुए अपनी लेंथ हल्की सी पीछे खींची। पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज ने बल्ला घुमाया लेकिन लेकिन गेंद और बल्ले का संपर्क नहीं हुआ और बाकी काम किशन ने स्टंप के पीछे आसानी से पूरा कर दिया। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपनी रणनीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, असल में विकेट पर कुछ गेंदें ज्यादा 'स्कीड' कर रही थीं और कुछ ज्यादा स्पिन ले रही थीं। जब हम दूसरी पारी में गेंदबाजी करने आए तो मैंने महसूस किया कि नई गेंद थोड़ी ज्यादा स्किड कर रही है।'' उन्होंने कहा, '' मेरी योजना यह भांपने की थी कि बल्लेबाज क्या करना चाहता है और किस क्षेत्र में मुझे निशाना बनाना चाहता है। उसके बाद मैं अपनी लाइन या लेंथ बदलता हूं। उस्मान का विकेट तब मिला जब वह आगे बढ़कर खेल रहे थे, इसलिए मैंने फिर अपनी लेंथ पर गेंद डाली। मैं इसी तरह योजना बनाता हूं।अक्षर ने इसके कुछ मिनट पहले ही बाबर आजम की 16 मिनट की संघर्षपूर्ण पारी का भी अंत किया था। बाबर की बड़े शॉट खेलने की बेचैनी को भांपते हुए 32 वर्षीय गेंदबाज ने ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ की गेंद डाली और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान उसके जाल में फंस गए। दबाव कम करने के इरादे से खेला गया उनका आक्रामक स्लॉग स्वीप सीधे विकेट पर पर जा लगा।

अक्षर के बचपन के कोच अमरीश पटेल ने कहा, वह हमेशा बड़े दिल वाला खिलाड़ी रहा है। उसकी सबसे बड़ी ताकत परिस्थितियों को भांप कर उसी मुताबिक योजना लागू करने की है। उसे अपनी ताकत और सीमा के बारे में पता है। यह किसी भी खिलाड़ी के लिए महत्वपूर्ण गुण है।

सुविचार

जिंदगी में सबसे खूबसूरत पौधा विश्वास का होता है जो धरती में नहीं दिल में लगाया जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फर्जी धमकियों का असली मकसद

इन दिनों देश के विभिन्न शहरों में स्कूलों और संस्थानों को बम की धमकी के जो ईमेल मिल रहे हैं, उनसे संबंधित स्थानों पर अफरा-तफरी मच रही है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। साल 2024 में भी ऐसी धमकियां बहुत मिली थीं। यह सिलसिला आज तक जारी है। इनका तरीका भी लगभग एक जैसा है। प्राय: स्कूलों को ईमेल भेजकर दहशत फैलाने की कोशिश की जाती है। इन धमकियों के बाद स्कूल परिसर खाली कराए जाते हैं, पुलिस और बम निरोधक दस्ते के अधिकारी जांच करते हैं, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलता है। हो सकता है कि ये ईमेल किसी आतंकवादी संगठन ने भेजे हों या किसी खुराफाती की शरारत हो। सवाल है- इनके निशाने पर स्कूल क्यों हैं? स्कूलों में बड़ी संख्या में शिक्षक और बच्चे होते हैं। जब उन्हें पता चलता है कि स्कूल को ऐसी धमकी मिली है तो डर का माहौल बनता है। वे अपने घर जाते हैं तो परिवार के सदस्यों, दोस्तों और पड़ोसियों को भी बताते हैं। इससे डर और ज्यादा फैलता है। लोग सोचते हैं कि 'आतंकवादियों पर किसी का नियंत्रण नहीं है, वे कुछ भी कर सकते हैं।' यही इन धमकियों का मकसद है। ज्यादा से ज्यादा लोगों को डराना, उनके बीच आतंकवाद से संबंधित चर्चा को बढ़ावा देना - यही तो वे चाहते हैं। ये धमकियां भेजने के लिए ईमेल पता तलाशना कोई मुश्किल काम नहीं है। आजकल हर बड़े स्कूल की वेबसाइट होती है। अगर वह न हो तो सोशल मीडिया पेज जरूर होता है। किसी दूर देश में बैठकर वहां ईमेल पता मालूम करना और उस पर धमकी भेजना मुश्किल काम नहीं है। स्कूल, प्रशासन और मीडिया को एक बात समझनी होगी। जब कभी किसी स्कूल को धमकी मिलती है तो उसके द्वारा सूचना पुलिस को भेजी जाती है। यह बात स्कूल के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों तक भी पहुंचती है। कुछ समय बाद पुलिस आ जाती है। तब तक मामला समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर छा जाता है।

जब विदेश में कहीं बैठकर आतंकवादी या खुराफाती लोग ये खबरें पढ़ते होंगे तो क्या सोचते होंगे? वे निश्चित रूप से हंसते होंगे। वे कहते होंगे कि 'भारत में दहशत फैलाना बहुत आसान है। सिर्फ एक ईमेल करना है और हम टीवी से लेकर सोशल मीडिया तक सब जगह छा जाएंगे!' इस चक्र को तोड़ना होगा। इन धमकियों का सिलसिला अभी बंद होने वाला नहीं है। ऐसी हर धमकी को गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर जैसा माहौल बनता है, उससे बचना चाहिए। इसके लिए स्कूल और प्रशासन में संवाद होना चाहिए। जिस स्कूल के पास ऐसा ईमेल आए, वह प्रशासन को सूचना दे, लेकिन शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के साथ जानकारी साझा करते हुए संयम बरते। परिसर को खाली कराते समय बच्चों को धमकी के बारे में न बताएं। शिक्षकों और कर्मचारियों से भी कहें कि वे घबराहट में कोई प्रतिक्रिया न दें। हर स्कूल को महीने में एक-दो बार भूकंप, अग्नि सुरक्षा आदि के लिए अभ्यास करना चाहिए। पुलिस अधिकारियों को बुलाकर साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों का पालन जैसे विषयों पर चर्चा की जा सकती है। सावधानी बरतना अपनी जगह ठीक है। इससे डर का माहौल पैदा नहीं होना चाहिए। जब लोगों में डर फैलता है तो आतंकवादियों और खुराफाती तत्त्वों का दुस्साहस बढ़ता है। वे अगली बार दुगुनी ऊर्जा से नए ईमेल पते खोजते हैं और धमकियां भेजते हैं। उसके बाद जब मामला चैनलों और सोशल मीडिया पर आता है तो उन्हें लगता है कि यह तरीका काम कर रहा है। इस पर विराम लगाने के लिए स्कूल, प्रशासन और मीडिया को संयम से काम लेना होगा। सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता, लेकिन अपनी सूझबूझ से देशविरोधी तत्त्वों के मंसूबों को नाकाम जरूर किया जा सकता है।

ट्वीटर टॉक

टी20 विश्व कप 2026 में आज टीम इंडिया ने सिर्फ मैच नहीं जीता, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का विश्वास और दिल भी जीत लिया। आपकी हर गेंद में जुनून, हर रन में आत्मविश्वास और हर पल में भारत की शान झलकती रही।

-भजनलाल शर्मा

खैरथल-तिजारा के भिवाड़ी में एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हुए दर्दनाक हादसे में आठ लोगों की मृत्यु एवं कई लोगों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है।इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

-सचिन पायलट

भिवाड़ी की केमिकल फैक्ट्री में हुई अत्यंत त्रासद दुर्घटना से मन विचलित है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ मिले।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

जीवन की सार्थकता

एक बार दो गांवों के बीच पानी को लेकर विवाद छिड़ गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से तलवारें खिंच गईं। सौभाग्य से तभी वहां एक संत का आगमन हुआ। लोगों को झगड़ते देख उन्होंने पूछा, 'आप लोग आपस में क्यों झगड़ रहे हो?' लोगों ने बताया, 'पानी के लिए।' संत ने पूछा, 'पानी का क्या मूल्य है?' जवाब मिला, 'कुछ भी नहीं।' संत ने अगला सवाल किया, 'क्या वह बिना मूल्य मिल सकता है?' गांव वालों ने कहा, 'पानी बिना मूल्य ही हर जगह मिलता है।' तब संत ने पूछा, 'मनुष्य के जीवन का क्या मूल्य है?' दोनों ओर से उत्तर मिला, 'वह तो आंका ही नहीं जा सकता। जीवन तो अनमोल है।' संत ने कहा, 'तब क्या वह अनमोल जीवन साधारण पानी के लिए नष्ट करना उचित है?' संत की दलील सुनकर सभी चुप हो गए। तब संत ने कहा, 'शत्रुओं में अशत्रु होकर जीना की सबसे बड़ा कौशल है। वैर को अवैर से जीतो।

सामयिक

परिवर्तन की दहलीज पर बांग्लादेश

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

दक्षिण एशिया की राजनीति में समय-समय पर ऐसे मोड़ आते रहे हैं जो केवल किसी एक देश के सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि पूरे क्षेत्र की कूटनीतिक दिशा और सामाजिक मनोविज्ञान को प्रभावित करते हैं। बांग्लादेश में हाल ही में हुए संसदीय चुनावों और उसके बाद तारिक रहमान के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की तैयारी को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। यह घटना केवल एक राजनीतिक दल की जीत या एक नेता के उदय का प्रसंग नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर का संकेत है जिसमें जनता की आकांक्षाएँ, लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों की नई व्याख्या सामने आ सकती है। वर्षों तक राजनीतिक ध्रुवीकरण और सत्ता संघर्ष से गुजरने के बाद यह परिवर्तन उस समाज की बेचैनी और उम्मीदों दोनों को प्रतिबिंबित करता है।

तारिक रहमान का राजनीतिक सफर स्वयं बांग्लादेश के हालिया इतिहास का एक प्रतीकात्मक प्रतिबिंब रहा है। एक ऐसे परिवार में जन्म लेने के कारण जहाँ राजनीति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा थी, उन्होंने सत्ता के निकट रहकर अवसर भी देखे और विवादों का सामना भी किया। भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते देश छोड़ना और लंबे समय तक विदेश में रहना उनके जीवन का वह अध्याय रहा जिसने उन्हें आलोचना और सहानुभूति दोनों दिलाई। निर्वासन के वर्षों में उन्होंने पार्टी के भीतर रणनीतिक भूमिका निभाई, जिससे यह धारणा बनी कि वे भले ही भौगोलिक रूप से दूर हों, लेकिन राजनीतिक रूप से सक्रिय हैं। जब परिस्थितियाँ बदलीं और वे वापस लौटे, तो उनकी वापसी केवल व्यक्तिगत पुनर्स्थापना नहीं थी, बल्कि उनके समर्थकों के लिए एक प्रतीकात्मक पुनरागमन था - एक ऐसा क्षण जिसमें वे स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत कर सके।

2024 के जनआंदोलन ने बांग्लादेश की राजनीति में जो उथल-पुथल पैदा की, उसने सत्ता संरचना को बदलकर रख दिया। लंबे समय तक प्रभावशाली रही अवामी लीग को सत्ता से हटना पड़ा और इससे राजनीतिक रिक्तता उत्पन्न हुई। इस रिक्तता को भरने के लिए जो चुनाव हुए, उनमें मतदाताओं की भागीदारी और परिणामों ने स्पष्ट संकेत दिया कि जनता परिवर्तन की आकांक्षा रखती है। यह परिवर्तन कितना स्थायी या प्रभावी होगा, यह भविष्य के शासन पर निर्भर करेगा, लेकिन तत्कालीन परिणामों ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया अभी भी जनता के लिए अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है। चुनावों में विपक्ष की अनुपस्थिति या सीमित भागीदारी पर सवाल भी उठे, परंतु इसके बावजूद यह घटना राजनीतिक शक्ति संतुलन में निर्णायक बदलाव के रूप में दर्ज हुई।

तारिक रहमान की जीत के साथ उनके सामने जो जिम्मेदारियाँ आई हैं, वे केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि नैतिक और संस्थागत भी हैं। एक ऐसे देश में जहाँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अक्सर वैचारिक से अधिक व्यक्तिगत संघर्ष में बदल जाती रही है, वहाँ लोकतांत्रिक विश्वास बहाल करना सबसे बड़ी चुनौती है। कानून-व्यवस्था की मजबूती, न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और आर्थिक स्थिरता को सुनिश्चित करना केवल नीतिगत निर्णयों से नहीं बल्कि शासन की विश्वसनीयता से भी जुड़ा होता है। जनता के लिए परिवर्तन का अर्थ केवल नेतृत्व बदलना नहीं बल्कि जीवन की परिस्थितियों में ठोस सुधार देखना है। यदि नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह सत्ता परिवर्तन इतिहास में सकारात्मक मोड़ के रूप में दर्ज होगा; अन्यथा यह भी अस्थायी राजनीतिक उतार-चढ़ाव की श्रेणी में शामिल हो सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण आयाम भारत-बांग्लादेश संबंधों से भी जुड़ा है। दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक निकटता, ऐतिहासिक अनुभव और आर्थिक साझेदारी लंबे समय से संबंधों को आकार देते रहे हैं। सत्ता परिवर्तन के साथ यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि नई सरकार इन संबंधों को किस दिशा में ले जाएगी। भारत द्वारा प्रतिनिधि भेजकर शपथ समारोह में भागीदारी जताना कूटनीतिक निरंतरता का संकेत है, वहीं नई सरकार द्वारा संबंधों को पुनर्परिभाषित करने की इच्छा एक नए संवाद की संभावना खोलती है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे केवल द्विपक्षीय समझौतों का विषय नहीं बल्कि लाखों लोगों के जीवन से जुड़े प्रश्न हैं। इसलिए इन पर होने वाला संवाद आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय स्थिरता को प्रभावित कर सकता है।

शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद उत्पन्न राजनीतिक विमर्श भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन के साथ आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक संघर्ष सामने आते हैं, परंतु दीर्घकालीन स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता संस्थागत मर्यादा के भीतर रहे। यदि नई सरकार अपने विरोधियों को केवल राजनीतिक पराजित मानने के बजाय लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा समझे, तो इससे राजनीतिक वातावरण में संतुलन आ सकता है। वहीं यदि प्रतिशोध की भावना हावी होती है, तो इससे सामाजिक विभाजन गहरा सकता है। यह संतुलन साधना किसी भी नए नेतृत्व के लिए सबसे कठिन परीक्षा होती है।

तारिक रहमान का शपथ ग्रहण इस मायने में प्रतीकात्मक भी है कि यह परंपराओं से अलग आयोजन के रूप में सामने आया है। स्थान और स्वरूप में परिवर्तन को केवल औपचारिक बदलाव के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक संकेत के रूप में भी देखा जा सकता है। ऐसे प्रतीक अक्सर जनता के मन में नए अध्याय की अनुभूति पैदा करते हैं। हालाँकि वास्तविक परिवर्तन प्रतीकों से आगे बढ़कर नीतियों और क्रियान्वयन में दिखाई देता है। इसलिए यह क्षण जितना आशा का है, उतना ही सावधानी से मूल्यांकन का भी है।

दक्षिण एशिया का इतिहास बताता है कि राजनीतिक परिवर्तन अक्सर भावनात्मक ऊर्जा से भरे होते हैं, परंतु उनकी सफलता प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक समावेशन पर निर्भर करती है। बांग्लादेश ने आर्थिक विकास, शिक्षा और सामाजिक सूचकांकों में पिछले दशकों में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे बनाए रखना और आगे बढ़ाना किसी भी सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। साथ ही वैश्विक आर्थिक दबाव, जलवायु परिवर्तन और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे ऐसे हैं जिनसे निपटने के लिए संतुलित कूटनीति और दूरदर्शी नीतियों की आवश्यकता होगी।

अंततः यह कहा जा सकता है कि तारिक रहमान का सत्ता में आगमन केवल एक राजनीतिक घटना नहीं बल्कि एक संभावनाओं से भरा क्षण है। इसमें उम्मीद भी है और अनिश्चितता भी, समर्थन भी है और आलोचना भी। लोकतंत्र की खूबसूरती इसी में है कि वह किसी भी परिवर्तन को अंतिम सत्य नहीं मानता, बल्कि उसे निरंतर संवाद और मूल्यांकन की प्रक्रिया का हिस्सा बनाता है। आने वाले समय में यह स्पष्ट होगा कि यह नया अध्याय किस दिशा में आगे बढ़ता है, परंतु फिलहाल यह घटना उस क्षेत्रीय राजनीति की धड़कन को सुनने का अवसर देती है जहाँ जनता, नेतृत्व और पड़ोसी देश मिलकर इतिहास की अगली पंक्तियाँ लिखते हैं।

नजरिया

जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। साझे प्रयासों से ही एआई का सकारात्मक लाभ हम उठा सकते हैं। वरना हमारी सुविधा के लिए बनी तकनीक हमारे लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

अब एआई कंटेंट की होगी बेहतर निगरानी

रोहित माहेश्वरी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने जहां दुनिया को तेज और स्मार्ट बनाया है, वहीं इसके दुरुपयोग ने भी गंभीर चिंता पैदा कर रखी है। डीपफेक वीडियो, फर्जी तस्वीरें और एआइ जनित भ्रामक सामग्री न केवल लोगों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि साइबर ठगी और सामाजिक भ्रम का कारण भी बन रही हैं। इन खतरों को मध्य में रखकर केंद्र सरकार की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में किए गए हालिया संशोधन को डिजिटल दुनिया में बढ़ती चुनौतियों के बीच एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है। आगामी 20 फरवरी से लागू होने जा रहे इन नियमों के तहत अब एआई से तैयार किए गए फोटो और वीडियो पर लेबल लगाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही फेक कंटेंट को हटाने की समय सीमा 36 घंटे से घटाकर तीन घंटे कर दी गई है। नए प्रावधानों के तहत एआई कंटेंट में स्थायी मेटाडेटा और डिजिटल पहचान चिह्न जोड़ने की अनिवार्यता भी तय की गई है, ताकि ऐसे कंटेंट की पहचान आसानी से की जा सके। यह बदलाव डिजिटल पारदर्शिता और नागरिक सुरक्षा के लिहाज से बेहद अहम है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय कंपनियों के लिए साइबर सुरक्षा अब सबसे बड़ी चुनौती है। हाल ही में आई एक रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल, जैसे कि चैटजीपीटी की मदद से नकली आधार और पैन कार्ड बनाए जा सकते हैं। इस रिपोर्ट ने एआई के संभावित दुरुपयोग की क्षमता के बारे में नई चिंताएं पैदा कर दी हैं।

एक नए सर्वे में 51 फीसदी बिजनेस लीडर्स ने इसे प्राथमिक जोखिम माना। 'फिक्की-ईवाय रिस्क सर्वे 2026' की रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। इसमें डिजिटल युग के बढ़ते खतरों पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तकनीकी जोखिम अब सीधे कंपनी के कामकाज से जुड़ गए हैं। सर्वे के अनुसार, 61 फीसदी लोग साइबर हमलों से डरे हुए हैं। डेटा चोरी और धोखाधड़ी को 5% फीसदी ने बड़ा जोखिम माना। लगभग 4% फीसदी कंपनियां इन आधुनिक खतरों से निपटने में नाकाम हैं। साइबर हमलों से कंपनियों की प्रतिष्ठा और वित्त पर असर पड़ता है। डिजिटल बदलाव कंपनियों की प्रतिस्पर्धी स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। यह सर्वे 13% सीईओ और सीनियर डिसीजन-मेकर्स पर आधारित है। इसमें 21 फीसदी प्रतिभागी टेक्नोलॉजी सेक्टर से थे। प्रोफेशनल सर्विसेज दूसरे नंबर पर।

साइबर अटैक अब सिर्फ आईटी मुद्दा नहीं। यह ऑपरेशनल कंटिन्यूटी से जुड़ा है। 61फीसदी लीडर्स मानते हैं कि साइबर हमले वित्तीय और रेपुटेशनल खतरा हैं। तेज टेक्नोलॉजिकल बदलावों को 61फीसदी कंपनियां प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करने वाला मान रहे हैं। सर्वे के अनुसार, आज के दौर में एआइ एक 'दोधारी तलवार' बन गया है। करीब 60 फीसदी विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी पिछड़ापन घातक है। सही समय पर नई तकनीक न अपनाना नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, 54 फीसदी लोग एआइ के एथिकल और गवर्नेंस संबंधी जोखिमों से चिंतित हैं। इन जोखिमों का प्रबंधन अभी भी प्रभावी ढंग से नहीं हो रहा है। ग्लोबल साइबरपीस समिट 2026 में भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र के अनुसार 2024-2025 के दौरान दर्ज साइबर हमलों में एआई और ऑटोमेशन का व्यापक इस्तेमाल देखने को मिला है। अब साइबर अपराधी किसी छोटे गैंग की तरह नहीं, बल्कि कंपनियों की तरह संगठित ढांचे में काम कर रहे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, मध्य-पूर्व और भारत के कुछ हिस्सों से संचालित ये नेटवर्क अलग-अलग विभागों में बंटे हुए हैं। इन गिरोहों के पास भर्ती करने वाली टीम, वेतन और प्रमोशन देखने वाले लोग और यहां तक कि रिसर्च एंड डेवलपमेंट यूनिट भी होती है। ये टीमें टेक्नोलॉजी की कमियों और इंसानी व्यवहार की कमजोरियों को खोजकर उनका फायदा उठाती हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में साइबर अपराध से दुनिया को लगभग 10.8 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान होने का अनुमान था, जो इस साल करीब 12 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। कई अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों का दावा है कि अब लगभग 80 प्रतिशत साइबर हमलों में किसी न किसी रूप में एआई की भूमिका है। एआई का इस्तेमाल अब डीपफेक तकनीक में भी हो रहा है। डिजिटल अरेस्ट जैसे मामलों में अपराधी किसी प्रसिद्ध पुलिस अधिकारी का चेहरा और आवाज नकली तरीके से दिखाकर पीड़ित को डराते हैं जिससे वह खुद को असली अधिकारी से बात करते हुए समझता है। साइबर अपराध में अब ट्रिपल एक्सटॉर्शन मॉडल भी सामने आया है। इसमें पहले रैनसमवेयर से डेटा लॉक किया जाता है फिर उसे लीक करने की धमकी देकर पैसे वसूले जाते हैं। इसके अलावा क्राइम-एस-ए-सर्विस का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ रहा है। इसमें संगठित गिरोह उन लोगों को भी अपराध की सुविधा देते हैं जिनके पास तकनीकी जानकारी नहीं होती। यानी पैसे दो और तैयार साइबर क्राइम सेवा लो। इस तरह के मामलों में कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारी तक ठगी का शिकार हो चुके हैं। साफ है कि एआई ने साइबर अपराध को पहले से कहीं ज्यादा संगठित तेज और खतरनाक बना दिया है।

वर्तमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के तो कई तरीके मौजूद हैं, लेकिन इन्हें किस हद तक इस्तेमाल में लाया जाना चाहिए, इसके लिए नियम-कानूनों का अभाव है। हमारा देश और दुनिया भी एआई के बढ़ते कदमों और उसके प्रभावों को लेकर गंभीर है। इसी क्रम में दिल्ली के भारत मंडपम में 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आगाज हो रहा है। 20 फरवरी तक चलने वाले इस महाकुंभ में दुनिया की 300 से ज्यादा कंपनियां भविष्य की तकनीक दिखाएंगी। खेती से लेकर सेहत तक, एआई आपकी जिंदगी को कैसे आसान बनाएगा, इसकी पूरी झलक यहां देखने को मिलेगी। आईटी के नए नियमों का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि अब एआई से बने कंटेंट को छिपाना आसान नहीं रहेगा। लेबलिंग व डिजिटल पहचान चिह्न से आम व्यक्ति यह समझ सकेगा कि उसके सामने मौजूद सामग्री वास्तविक है या तकनीक से तैयार की गई है। इससे सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक अभियानों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। चुनाव, सामाजिक मुद्दों और संवेदनशील घटनाओं के दौरान यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को भी सुरक्षित रखने में सहायक होगी, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए। इन तमाम बातों के बीच सवाल यह भी है कि सिर्फ नियम-कायदे बनाना ही काफी नहीं, बल्कि इन्हें सख्ती से लागू करना भी जरूरी है।

वैसे भी डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की संख्या और कंटेंट की मात्रा इतनी अधिक है कि केवल नियमों के सहारे नियंत्रण करना आसान नहीं होगा। इसके लिए तकनीकी निगरानी तंत्र को मजबूत करना, प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय करना और उल्लंघन की स्थिति में त्वरित दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। क्योंकि यदि नियमों का पालन ढीला रहा, तो इनका उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों में डिजिटल साक्षरता बढ़ाना भी उतना ही जरूरी है। लोगों को यह समझना होगा कि हर वायरल वीडियो या तस्वीर सत्य नहीं होती।

जागरूक उपयोगकर्ता ही फेक कंटेंट की श्रृंखला को तोड़ सकता है। सरकार, सोशल मीडिया कंपनियों और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। भ्रमजाल फैलने से रोकने के लिए सरकार और समाज दोनों के साझा प्रयासों की दरकार है। साझे प्रयासों से ही एआई का सकारात्मक लाभ हम उठा सकते हैं। वरना हमारी सुविधा के लिए बनी तकनीक हमारे लिए बड़ा सिरदर्द बन सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भारत में शिखर सम्मेलन एआई के पूर्ण लाभों को प्राप्त करने का 'अहम अवसर' : ब्रिटेन के उपप्रधानमंत्री

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की सरकार ने कहा है कि सोमवार से भारत में शुरू होने जा रहे 'एआई इम्पैक्ट समिट' में ब्रिटेन का ध्यान इस बात को रेखांकित करने पर रहेगा कि कृत्रिम मेधा (एआई) किस प्रकार विकास को गति दे सकती है, नए रोजगार सृजित कर सकती है, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार कर सकती है और किस प्रकार दुनिया भर के लोगों को लाभ पहुंचा सकती है। उपप्रधानमंत्री डेविड लैमी और एआई मंत्री कनिष्क नारायण के नेतृत्व में ब्रिटेन का प्रतिनिधिमंडल इस बात पर प्रकाश डालने के लिए उत्सुक है कि एआई दुनिया के हर कोने में रोजमर्रा की जिंदगी को कैसे बेहतर बना सकता है और एक नवीनीकरण इंजन के रूप में यह किस तरह डॉक्टरों को तेजी से निदान करने, शिक्षकों को व्यक्तिगत शिक्षण प्रदान करने, परिषदों को मिनटों में सेवाएं प्रदान करने और व्यवसायों को अगली पीढ़ी के अच्छे रोजगार सृजित करने में मदद कर सकता है। लैमी ने शिखर सम्मेलन से पहले जारी एक बयान में कहा, '' यह शिखर सम्मेलन यह निर्धारित करने का एक महत्वपूर्ण क्षण है कि हम एआई के पूर्ण लाभों और क्षमता को उजागर करने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर कैसे काम कर सकते हैं...।'' विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसआईटी) ने कहा कि भारत और ब्रिटेन ''स्वाभाविक प्रौद्योगिकी साझेदार हैं, और इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा विप्रो जैसी दिग्गज सॉफ्टवेयर कंपनियां ब्रिटेनभर में अपना विस्तार कर रही हैं।वेल्स से भारतीय मूल के पहले सांसद नारायण ने कहा, ''एआई हमारी पीढ़ी की निर्णायक तकनीक है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं कि यह सभी के लिए लाभदायक हो।'' एआई मंत्री ने कहा कि ब्रिटेन ''अग्रणी भूमिका निभा रहा है, एआई के लिए एक वैश्विक दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहा है जो दुनिया भर के लोगों को अधिक सीखने, अधिक कमाने और अपनी शर्तों पर भविष्य को आकार देने में मदद करता है''। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से एकमत हैं कि ब्रिटेन और भारत के लोग केवल दूसरों द्वारा विकसित की जा रही एआई को देखें ही नहीं, बल्कि स्वयं एआई का निर्माण करें और उससे सीधे लाभ भी उठाएं।'' दिल्ली के अलावा, नारायण बेंगलूरु की यात्रा भी करेंगे ताकि यह देखा जा सके कि भारत और ब्रिटेन अभूतपूर्व प्रौद्योगिकी के लाभ प्राप्त करने के लिए किस प्रकार मिलकर काम कर रहे हैं। डीएसआईटी ने कहा कि दोनों देश अत्याधुनिक अनुसंधान में करोड़ों डॉलर का निवेश कर रहे हैं – बेहतर बैटरी और ग्रामीण समुदायों के लिए अगली पीढ़ी के दूरसंचार से लेकर दुर्लभ बीमारियों से निपटने में सक्षम जीनोमिक मेडिसिन तक।विभाग ने कहा कि भारत आम तौर पर ब्रिटेन के व्यवसायों के लिए भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार है और ब्रिटेन की कंपनियां भारत में अपने कारोबार से 47.5 अरब पाउंड से अधिक का राजस्व अर्जित करती हैं।

दिल्ली वाले चिड़ियाघर में 500 रुपए में एक दिन के लिए जानवर को ले सकते हैं गोद

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के लोग अगले महीने से राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में किसी जानवर को एक दिन के लिए गोद लेकर अपना जन्मदिन, शादी की सालगिरह या अन्य खास मौके मना सकेंगे। पशु को गोद लेने की संशोधित योजना के तहत छोटे जानवरों के लिए शुल्क 500 रुपए से शुरू होगा, जबकि बाघ को एक दिन के लिए गोद लेने के लिए 50,000 रुपए देने होंगे।

इस योजना के तहत, पशु को गोद लेने वालों को चिड़ियाघर द्वारा निर्धारित लागत वहन करनी होगी, जिसका उपयोग जानवर के भोजन और दैनिक देखभाल के लिए किया जाएगा। चुने गए पैकेज के आधार पर, व्यक्ति को स्मृति चिन्ह के रूप में प्रमाण पत्र और तस्वीरें भी मिलेंगी। चिड़ियाघर के निदेशक संजीत कुमार ने कहा कि जानवरों को अल्पकालिक रूप से गोद लेने की व्यवस्था शुरू करने के प्रस्ताव को इस महीने के अंत तक मंजूरी मिलने की संभावना है, जिसके बाद यह पहल मार्च से शुरू की जाएगी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक दिन के लिए गोद लेने की लागत प्रत्येक जानवर की वार्षिक गोद लेने की दर के आधार पर तय की गई है। कुमार ने कहा, यदि किसी जानवर को गोद लेने की वार्षिक लागत 50,000 रुपए है, तो उसे एक दिन के लिए गोद लेने का शुल्क लगभग 500 रुपए होगा।

संशोधित दरों के अनुसार, चित्तिदार हिरण को गोद लेने की वार्षिक लागत 18,000 रुपए है, और उसे एक दिन के लिए 500 रुपए में गोद लिया जा सकता है। इसी प्रकार, स्लॉथ बियर को गोद लेने की वार्षिक दर 45,000 रुपए है और उसे भी एक दिन के लिए 500 रुपए में गोद लिया जा सकेगा।

कुमार ने बताया कि बाघ को गोद लेने की वार्षिक लागत छह लाख रुपए है, जो एक दिन के लिए लगभग 50,000 रुपए होती है। उन्होंने कहा कि चिड़ियाघर इस योजना को अधिक सुलभ बनाने के लिए अल्पकालिक और ऑनलाइन गोद लेने के विकल्प पेश कर रहा है, जो पहले पूरी तरह से ऑफलाइन थे, खासकर उन व्यक्तियों के लिए जो पूरे वर्ष के लिए किसी जानवर को गोद नहीं ले सकते हैं।

शांत रहें व नौकरी बचाने के लिए एआई उपकरणों का इस्तेमाल सीखें

नई दिल्ली/भाषा। कृत्रिम मेधा (एआई) से नौकरियों पर पड़ने वाले असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच प्रौद्योगिकी जगत के दिग्गजों ने कर्मचारियों को साफ संदेश दिया है कि ''शांत रहें और अपने कौशल को लगातार बढ़ाएं।'' उन्होंने कहा कि एआई की लहर के साथ बने रहने के लिए ताउम्र सीखते रहने की क्षमता जरूरी है और अगले तीन से पांच वर्ष में एआई के और विकसित होने के साथ कार्यबल में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे।

'एआई के दौर में रोजगार का भविष्य' विषय पर आयोजित सत्र में उद्योग जगत के लोगों ने माना कि कुछ मौजूदा नौकरियां अप्रासंगिक हो सकती हैं, लेकिन कृत्रिम मेधा नई रोजगार संभावनाएं भी उत्पन्न करेगी और कर्मचारियों को यह पहचानना होगा कि वे किन कौशलों को निखार सकते है।

'इन्फो एज' (जिसके अंतर्गत नौकरी डॉट कॉम आता है) के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने बैंकों में कंप्यूटर आने के समय का उदाहरण देते हुए कहा, '' तब किसी की नौकरी नहीं गई, बल्कि उत्पादकता बढ़ गई।''

एआई अपनाने से नौकरियां जाने के सवाल पर बिखचंदानी ने युवाओं से कहा, '' नीति की चिंता मत करें। यह सोचें कि आप ऐसा क्या करें ताकि एआई, आपकी नौकरी न छीने बल्कि आपको नौकरी दिलाने में मदद करे।'' उन्होंने युवाओं को उपयोगी एआई उपकरण सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, '' एआई आ चुका है और यह रुकने वाला नहीं है। अगर आप एआई का इस्तेमाल नहीं करेंगे, तो आपके लिए एआई का रास्ता बंद हो जाएगा। अगले तीन महीनों में कम से कम तीन एआई मंचों का इस्तेमाल सीखने का लक्ष्य तय रखें। जितना ज्यादा आप सीखेंगे, आपकी नौकरी उतनी ही सुरक्षित रहेगी।''

प्रौद्योगिकी उद्योग के दिग्गजों ने पेशेवरों को एआई उपकरणों को अपनाने और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुरूप खुद को ढालने की सलाह दी, ताकि बदलते रोजगार बाजार में प्रासंगिक बने रह सकें।

रवानगी

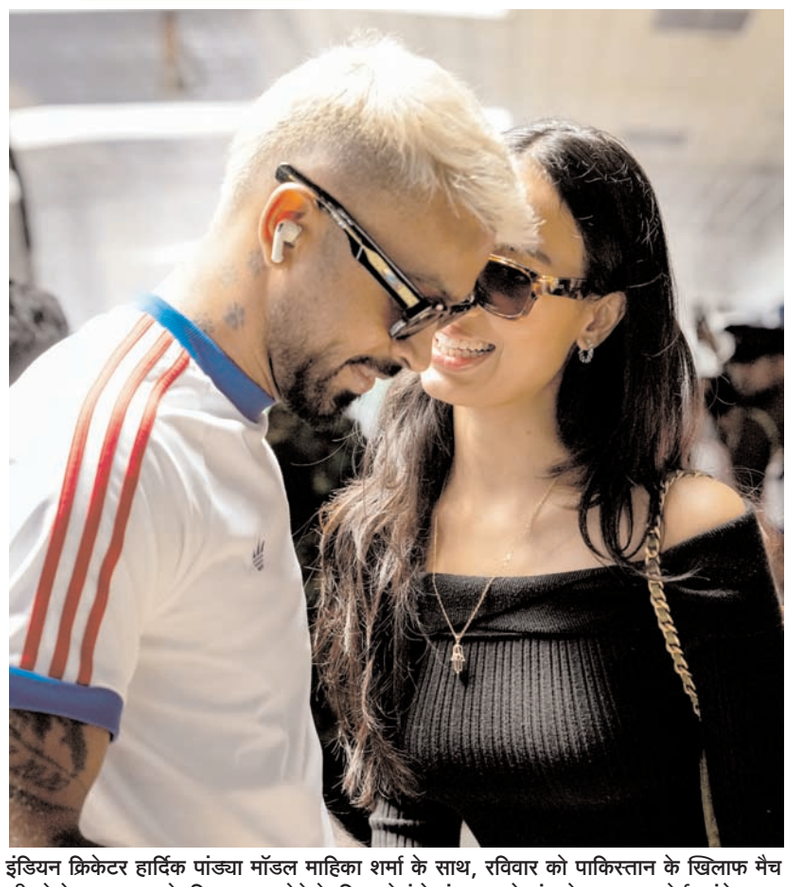

इंडियन क्रिकेटर हार्दिक पांड्या मॉडल माहिका शर्मा के साथ, रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ मैच जीतने के बाद भारत के लिए रवाना होने के लिए कोलंबो भंडारनायके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे।

लारा दत्ता ने महेश भूपति संग अपने रिश्ते को बताया 'आग और हवा' का मेल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री लारा दत्ता पूर्व टेनिस प्लेयर महेश भूपति के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन जी रही हैं। सोमवार को कपल ने शादी के 15 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर लारा ने इंस्टाग्राम के जरिए पति महेश को शुभकामनाएं दीं। लारा ने महेश के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में दोनों एक दूसरे के साथ बहुत खुश और रोमांटिक नजर आ रहे हैं। लारा ने लिखा, 15 साल, मैं आग और वो हवा। मैं चिंगारी लगाती हूं, तो वे उसे और भड़का देते हैं, और हैरानी की बात ये है कि अब तक हमने घर नहीं जलाया। अभिनेत्री ने आगे लिखा कि इतने सालों में दोनों ने एक-दूसरे को प्रोफेशनल तरीके से परेशान करना, ऐसे लड़ना जैसे कोई खेल हो, यह दिखाना कि हम बिल्कुल भी प्रतिस्पर्धी नहीं हैं, और फिर भी हर दिन एक-दूसरे को ही चुनना सीखा है।

अभिनेत्री की पोस्ट फैंस और उनके दोस्तों को काफी पसंद आ रही है। कई यूजर्स उनके मजाकिया अंदाज को काफी पसंद कर रहे हैं। अभिनेता गजराव ने हार्ट इमोजी के साथ शानदार प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री लारा दत्ता और महेश भूपति की पहली मुलाकात एंटरटेन्मेंट और स्पोर्ट्स को लेकर एक बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई थी। काम के सिलसिले में दोनों के बीच दोस्ती हुई थी और धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई। 9 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने पहले 16 फरवरी 2011 को सिविल मैरिज की और उसके बाद गोवा में क्रिश्चियन रस्मों के साथ शादी की। इस जोड़े की एक बेटी सायरा भूपति है। अभिनेत्री लारा जल्द ही फिल्म 'वेलकम' के तीसरे पार्ट 'वेलकम टू द जंगल' में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, दिशा पटानी, रवीना टंडन, फरदीन खान समेत अन्य स्टार्स प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

चेक बाउंस केस में एक्टर राजपाल यादव को राहत, दिल्ली हाई कोर्ट ने सज़ा पर लगाई अंतरिम रोक

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने चेक बाउंस मामले में अभिनेता राजपाल यादव की सज़ा पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने राहत देते हुए कहा कि रेस्पोंडेंट के बैंक अकाउंट में 1.5 करोड़ रुपये जमा करा दिए गए हैं, जिसे ध्यान में रखते हुए सज़ा पर अस्थायी रोक लगाई जा रही है। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि सज़ा पर रोक कुछ शर्तों के साथ दी गई है। राजपाल यादव को 1 लाख रुपये का पर्सनल बॉन्ड और इतनी ही राशि की एक श्योरिटी जमा करनी होगी। इन शर्तों के पालन के बाद उन्हें राहत प्रदान की गई है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, राजपाल यादव 18 मार्च तक कस्टडी से बाहर रहेंगे। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को निर्धारित की गई है, जब अदालत इस पर विस्तृत सुनवाई करेगी। यह मामला चेक बाउंस से जुड़ा है, जिसमें निचली अदालत ने अभिनेता को सज़ा सुनाई थी। इसी फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने हाई कोर्ट का रुख किया था।अब सभी की नजर 18 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई पर टिकी है, जहां इस मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया तय होगी।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामला : छह आरोपियों को 25 तक की रिमांड, आरोपी पक्ष के वकील ने दी दलील

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक रोहित शेट्टी के घर हुई फायरिंग मामले में लगातार बड़े अपडेट्स आ रहे हैं। सोमवार सुबह ही मुंबई क्राइम ब्रांच ने शूटर दीपक चंद्र की गिरफ्तारी राजस्थान से की और उसके साथ 5 अन्य आरोपियों को भी पकड़ा था, लेकिन अब पुलिस के हत्थे विष्णु कुशवाहा नाम का एक और आरोपी चढ़ा है जिसे पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक 12 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सोमवार को क्राइम ब्रांच ने 6 आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 25 फरवरी तक की रिमांड ली है। क्राइम ब्रांच को शक है कि ये सभी आरोपी बड़े गिरोह के कहने पर काम कर रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में जतिन रमेश भारद्वाज (22 साल), सोनू कुमार (20 साल), दीपक रमेश चंद्र (25 साल), विशाल ठाकुर (19 साल), सनी कुमार राकेश कुमार (23 साल), और ऋतिक विनोद सिंह यादव (24 साल) का नाम सामने आया है। गिरफ्तारी के बाद शूटर दीपक चंद्र ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच के मुताबिक शूटर दीपक चंद्र घटना को अंजाम देने के बाद मौके से भाग गया था। घटना को अंजाम देने के लिए आरोपी दीपक के साथ सोनू कुमार और सन्नी कुमार थे। इन तीन आरोपियों को फायरिंग के बारे में पता था और बाकी तीन आरोपियों ने घटना को अंजाम देने में मदद की थी।

आरोपी ने यह भी कबूला कि सह-आरोपी विशाल ठाकुर, जतिन भारद्वाज और ऋतिक विनोद सिंह यादव को फायरिंग की जानकारी नहीं थी। जतिन भारद्वाज, दीपक चंद्रा का चचेरा भाई है, जिससे दीपक ने आने-जाने के लिए 1,500 रुपए लिए थे। फायरिंग के बाद, दीपक और सोनू आगरा में उस फैक्ट्री में रुके, जहां ऋतिक विनोद सुपरवाइजर है। जांच में पता चला है कि दीपक और सोनू आगरा से नोएडा में विशाल के घर पर रुके थे।

आरोपी पक्ष के वकील दिलीप शुक्ला ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि पुलिस ने दीपक रमेश चंद्र को मेन शूटर बताया है और उसके साथ ऋतिक, विशाल और सोनू की गिरफ्तारी की। लेकिन हमने कोर्ट के सामने पक्ष रखा कि ऋतिक, विशाल और सोनू का घटना से कोई लेना-देना नहीं है क्योंकि पुलिस के पास कोई डायरेक्ट सबूत नही हैं। पुलिस ने गिरफ्तारी इसलिए की है, क्योंकि सभी दोस्त हैं और घटना स्थल के कुछ ही दूरी पर मौजूद थे और आरोपी को रुकने में मदद की। ऋतिक को लगा कि उसके दोस्त वेकेशन पर हैं। कोर्ट ने हमारे पक्ष को सुना और आगे की जांच में इन पहलुओं पर भी ध्यान देने की बात कही है।

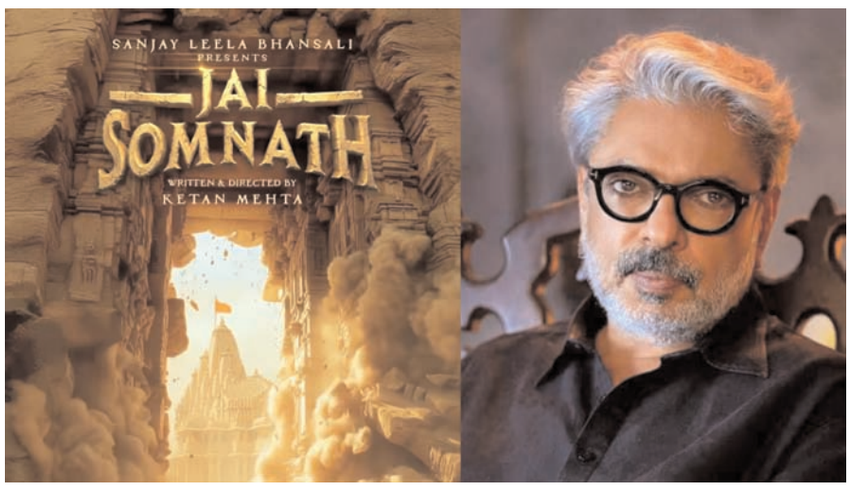

अब पर्दे पर दिखेगा सोमनाथ मंदिर का इतिहास, संजय लीला भंसाली बनाएंगे फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'बाजीराव मस्तानी', 'राम लीला', और 'ब्लैक' जैसी फिल्में बनाने वाले संजय लीला भंसाली नई पीरियड ड्रामा फिल्म के साथ बॉक्स ऑफिस पर फिर से दस्तक देने के लिए तैयार हैं। इस बार फिल्म कोई लव स्टोरी या युद्ध नहीं है, बल्कि सनातन धर्म पर हुए प्रहार और आस्था को बचाने वाले लोगों के खून से लिखी गई है। निर्देशक ने अपकमिंग फिल्म 'जय सोमनाथ' की पहली झलक शेयर की है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े होना तय है। केतन मेहता के निर्देशन में बन रही 'जय सोमनाथ' की पहली झलक मेकर्स ने रिलीज कर दी है। वीडियो में पहले सोमनाथ मंदिर को ध्वस्त होते हुए दिखाया गया है, लेकिन फिर धूल के पीछे नए सोमनाथ मंदिर की झलक दिख रही है। वीडियो से साफ है कि इस बार भंसाली प्रोडक्शन में बन रही फिल्म इतिहास को दोबारा जिंदा कर देगी। वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा गया, मंदिर तोड़ा जा सकता है, लेकिन आस्था को नहीं। संजय लीला भंसाली प्रस्तुत करते हैं- 'जय सोमनाथ,' निर्देशन- केतन मेहता।

फिल्म 2027 में रिलीज होगी, लेकिन अभी तक फिल्म की स्टारकास्ट और रिलीज डेट का एलान नहीं हुआ है। बता दें कि साल 10251026 ईस्वी में भारत पर कई बार आक्रमण करने वाले गजनवी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर को निशाना बनाया था और मंदिर के शाही खजाने को खाली कर दिया था।

गजनवी यहीं नहीं रुका, उसने मंदिर को नुकसान पहुंचाया और शिवलिंग को खंडित करने की कोशिश की, लेकिन यह मंदिर सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि सनातन धर्म के उस हौंसले का प्रतीक है, जो गिरकर दोबारा खड़े होने की ताकत रखता है। इसी साल मंदिर के विध्वंस को 1000 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर पूरे देश में सोमनाथ के इतिहास और महिमा की व्याख्या की गई थी।

भंसाली की फिल्म भी पर्दे पर दोबारा इतिहास के पन्ने पलटने के लिए तैयार है। 'जय सोमनाथ' के अलावा, संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' भी आ रही है जिसमें रणबीर कपूर और आलिया भट्ट दोनों लीड रोल में हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज डेट को लेकर सस्पेंस बना हुआ है। कहा जा रहा है कि फिल्म 2026 के अंत में रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना ने फिल्म 'छावा' के एक साल पूरे होने पर भावपूर्ण नोट लिखा

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपनी फिल्म 'छावा' की रिलीज के एक साल पूरे होने पर सोशल मीडिया पर एक भावपूर्ण नोट लिखा और इसे एक विशेष फिल्म बताया।लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 फरवरी, 2025 को रिलीज हुई थी और दिनेश विजन ने अपने प्रोडक्शन बैनर मैडॉक फिल्म्स के तहत इसका निर्माण किया था। इसमें विक्की कौशल ने मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म 'एनिमल' की अभिनेत्री ने शनिवार शाम को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म 'छावा' की कई तस्वीरें साझा कीं और साथ में एक संदेश भी लिखा। उन्होंने लिखा, आज पुरानी यादों में खो गई... यह कितनी खास फिल्म थी... मैं सचमुच बहुत आभारी हूं! दीनू सर, लक्ष्मण उतेकर सर, विक्की कौशल और पूरी मैडॉक फिल्म्स टीम को बहुत सारा प्यार... धन्यवाद। फिल्म में अक्षय खन्ना, विनीत कुमार सिंह और संजीव जायसवाल ने भी भूमिका निभाई। फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की। रश्मिका मंदाना की नवीनतम फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' है, जो नवंबर 2025 में रिलीज हुई थी। राहुल रविंद्रन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में धीक्षित शेट्टी और अनु इमानुएल ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। इसके बाद वह शाहिद कपूर और कृति सैनन के साथ 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी।

अब लीक से हटकर फिल्में नहीं बन रही : तापसी पन्नू

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री तापसी पन्नू का मानना है कि अब महिला प्रधान और लीक से हटकर फिल्में नहीं बन रही हैं क्योंकि ऐसी कहानियों के लिए दर्शकों का समर्थन नहीं मिल रहा है।मुख्यधारा और लीक से हटकर दोनों तरह के सिनेमा में सहजता से संतुलन बनाए रखने वाली पन्नू ने एक भरोसेमंद कलाकार के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई है और थप्पड़, मुल्क व पिंक जैसे कई फिल्मों में दमदार अभिनय किया है।अभिनेत्री के अनुसार, लीक से अलग कहानियों को बड़े पर्दे पर उतारने की लड़ाई और भी कठिन हो गई है।पन्नू ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ''ऐसी फिल्में विलुप्ती की कगार पर पहुंच चुकी प्रजातियों की तरह हो गई हैं। मेरा अभिप्राय 'अस्सी' जैसी फिल्मों से है। हमारे तथाकथित व्यावसायिक सिनेमा का एक निश्चित ढांचा है जिसका हम पालन करते हैं और हम उस ढांचे में पारंपरिक रूप से फिट नहीं बैठते।''

पन्नू की नई फिल्म ''अस्सी'' है। इसके निर्माता अनुभव सिन्हा हैं। पन्नू से सिन्हा के साथ 2018 में आई फिल्म मुल्क और 2020 की थप्पड़ में भी काम किया था। अभिनेत्री ने इस धारणा को खारिज कर दिया कि लीक से हटकर बनने वाली फिल्में केवल डिजिटल मंच पर ही अपनी जगह बना पाएंगी। उन्होंने कहा कि 'स्ट्रीमिंग' मंच ने अपना ध्यान बड़े पैमाने पर दर्शकों को लुभाने पर केंद्रित कर दिया है। पन्नू ने कहा, असलियत यह है कि लोग सोचते हैं कि इस तरह की फिल्में ओटीटी पर आती रहेंगी और हम उन्हें देखते रहेंगे। लेकिन नहीं, ओटीटी मंच भी इस तरह की फिल्में नहीं चाहते। वे केवल उन्हीं फिल्मों को चुनते हैं जो सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही हों। पन्नू ने कहा, ''वे सिनेमाघर के दर्शकों को अपने मंच पर लाना चाहते हैं। वे कहते हैं, 'हमारे पास पहले से ही इस तरह के दर्शक हैं, हम अपने देश के उन लोकप्रिय मसाला फिल्मों के दर्शकों को अपने मंच से जोड़ना चाहते हैं।' इसीलिए मैं कहती हूं कि अगर लोगों को यह एहसास नहीं हुआ कि हमें इसे देखना चाहिए तो लीक से हटकर बनने वाली फिल्में विलुप्त हो जाएंगी। कभी-कभी वास्तविकता देखना भी अच्छा होता है। सिनेमा की तुलना विभिन्न प्रकार के व्यंजनों से करते हुए अभिनेत्री (38) ने कहा कि जहां एक ओर व्यावसायिक सिनेमा मुगलई की अपनी अपील है, वहीं उद्योग को दाल चावल जैसी कहानियों की भी आवश्यकता है: ऐसी कहानियां जो रोजमर्रा की वास्तविकता पर आधारित हों।

रक्षा मंत्री ने भव्य भारत भूषण पुरस्कार प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां ईशा योग केंद्र में महाशिवरात्रि समारोह के दौरान विशिष्ट राष्ट्र निर्माताओं के एक समूह को पहले भव्य भारत भूषण पुरस्कार प्रदान किए। ये नवस्थापित पुरस्कार विज्ञान, कला, खेल और सैन्य सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रगति में योगदान देने दिग्गजों को सम्मान देने के उद्देश्य से शुरू किए गए हैं। इन पुरस्कारों की शुरुआत ईशा फाउंडेशन ने की है।

रक्षा मंत्री ने कहा, इन क्षेत्रों के दिग्गजों को यह सम्मान दिए जाने के साथ-साथ, ऑपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता के सम्मान में हमारी सशस्त्र सेनाओं के तीनों सैन्य संगठन को भी सम्मानित किया गया, जिनमें पश्चिमी वायु कमान, सेना की दक्षिणी कमान और पश्चिमी नौसेना कमान शामिल हैं। व्यक्तिगत रूप से, इससे मुझे बहुत खुशी और गर्व महसूस हुआ।

उन्होंने कहा कि संस्कृति और विज्ञान को अक्सर अलग माना जाता है, लेकिन भारत में ये हमेशा से एक-दूसरे के पूरक रहे हैं। उन्होंने कहा, ''संस्कृति केवल महज रीति-रिवाज नहीं है, यह हमारी जीवनशैली है।''

ईशा फाउंडेशन के संस्थापक एवं आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने कहा कि ये पुरस्कार प्रतिवर्ष सात प्रमुख श्रेणियों में दिए जाएंगे, जिनमें कॉर्पोरेट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, खेल और संस्कृति शामिल हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी श्रेणी के तहत नम्बी नारायण और किरण कुमार को भारत की प्रौद्योगिकी प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए पुरस्कार दिया गया।

कला और संस्कृति क्षेत्र में शास्त्रीय नृत्यांगना अलार्मेल वल्ली, वायलिन वादक एन राजम और इतिहासकार विक्रम संपत को सम्मानित किया गया। खेल क्षेत्र में बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी साइना नेहवाल को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। सेना की तीनों शाखाओं के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया, जिनमें पश्चिमी वायु कमान के एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा, दक्षिणी कमान के लेफ्टिनेंट जनरल ए वी एस राठी और पश्चिमी नौसेना कमान के वाइस एडमिरल आर वी गोखले शामिल हैं।

आचार्यश्री विजय नित्यानंदसूरी की निश्रा में सुमति जिन कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन करते अभयकुमार श्रीश्रीमाल।

आस्था, कला व इतिहास का संगम है फलवृद्धि पार्श्वनाथ तीर्थ : श्रीश्रीमाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री फलवृद्धि पार्श्वनाथ तीर्थ, मेड़ता (नागौर, राजस्थान) में हाल ही गच्छाधिपति आचार्य विजय नित्यानन्दसूरीश्वर की निश्रा में 'श्री सुमति जिन कॉम्प्लेक्स' का उद्घाटन लाइफसेल इंटरनेशनल के चेयरमैन अभयकुमार श्रीश्रीमाल किया। अपने उद्बोधन में अभयकुमार श्रीश्रीमाल ने कहा कि मेड़ता स्थित श्री फलवृद्धि पार्श्वनाथ तीर्थ आस्था, कला और इतिहास का त्रिवेणी संगम है। भक्तिमती मीरा और जैन भक्तकवि आनन्दघन का भी मेड़ता से सम्बन्ध रहा है। आचार्य धर्मघोष सूरि, वादीदेव सूरि, आचार्य भूधर, आचार्य जयमलजी, मरुधर केसरी मुनि मिश्रीमलजी, आचार्य हस्ती, युवाचार्य मधुकरमुनि आदि अनेक संतों की यादें भी मेड़ता से जुड़ी हैं। श्रीश्रीमाल ने कहा, आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन होने से यहाँ दर्शनार्थी निश्चिंत होकर आराधना कर सकेंगे। इससे क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने कहा कि यहाँ आने वाले श्रद्धालु व्यसन-मुक्त जीवन जीने का संकल्प करे। यहाँ जो भी आए, वह तनावमुक्त होकर जाए। यह तीर्थ रचनात्मक गतिविधियों और ज्ञान-ध्यान का केन्द्र बने। साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने बताया कि चेन्नई के कांता-नवरतनमल चोरड़िया परिवार के सहयोग से निर्मित श्री शांति जिन कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन अजित चोरड़िया ने किया। समारोह में सुरेश गुलेच्छा, तीर्थ के ट्रस्टी और बड़ी संख्या में श्रावक श्राविकाएँ उपस्थित थे।

एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के डाक्टरों ने पहली पसली स्थिरीकरण सर्जरी में सफलता प्राप्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कट्टनकुलाथुर स्थित एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र के ट्रॉमा सर्जरी टीम के डाक्टरों ने सफलतापूर्वक अपनी पहली पसली स्थिरीकरण सर्जरी में सफलता प्राप्त की है जो संस्थान में उन्नत ट्रॉमा देखभाल में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। एसआरएम मेडिकल कॉलेज द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति के कई पसलियों में फ्रैक्चर होने के कारण मरीज को एक महीने से अधिक समय तक सीने में गंभीर दर्द बना रहा जबकि उसे दर्द के लिए सर्वोत्तम उपचार और व्यवस्थित फिजियोथेरेपी दी जा रही थी इस स्थिति के कारण उसे सांस लेने में कठिनाई, नींद में खलल और दैनिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न हो रही थी क्योंकि टूटी हुई पसलियों का घाव ठीक से नहीं भर पा रहा था और वे अस्थिर थीं।

शल्य चिकित्सा की आवश्यकता को पहचानते हुए, जनरल सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विजयन पी के नेतृत्व में ट्रॉमा टीम ने टूटी हुई पसलियों को फिर से संरेखित और स्थिर करने के लिए एक विशेष पसली फिक्सेशन प्रक्रिया को अंजाम दिया, जिससे उचित शारीरिक उपचार संभव हो सका। सर्जरी के बाद, मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ और उसका सांस लेना आसान हो गया उसकी दैनिक गतिविधियों में काफी सुधार हुआ और उसका दर्द भी कम हो गया। सर्जरी प्रक्रिया के बारे में जानकारी देते हुए जनरल सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विजयन पी ने कहा कि सर्जरी बेहद ज़रूरी थी क्योंकि पसलियों में लंबे समय तक अस्थिरता रहने से सांस लेने, चलने-फिरने और पूरी तरह से ठीक होने में गंभीर बाधा आ रही थी पसलियों को शल्य चिकित्सा द्वारा स्थिर करके दर्द से राहत दिलाने, फेफड़ों की कार्यक्षमता में सुधार करने और मरीज़ को सामान्य दैनिक गतिविधियों में तेज़ी से वापस लौटाने में मदद करने में हम सक्षम हुए। यह परिणाम इस बात को पुष्ट करता है कि जब रूढ़िवादी उपचार पर्याप्त नहीं रह जाता है, तो उन्नत हस्तक्षेप बहुत महत्वपूर्ण हो जाते है। उन्होंने आगे बताते हुए कहा कि अस्पताल द्वारा की गई यह पहली पसली स्थिरीकरण सर्जरी है और शहर में की जाने वाली इस तरह की बहुत कम प्रक्रियाओं में से एक है, जो जटिल आघात प्रबंधन में संस्थान की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है।

अस्पताल की ट्रामा टीम की उपलब्धि पर एसआरएमआईएसटी के प्रो वाइस चांसलर (एमएचएस) डॉ. नितिन एम. नागरकर ने कहा कि यह उपलब्धि एसआरएम मेडिकल कॉलेज अस्पताल और अनुसंधान केंद्र की नैदानिक उत्कृष्टता और रोगी-केंद्रित देखभाल को बढ़ावा देने की दृढ़ता को दर्शाती है। रिब फिक्सेशन जैसी जटिल ट्रॉमा प्रक्रियाओं की शुरुआत विश्व स्तरीय उपचार विकल्प प्रदान करने और समुदाय के लिए आपातकालीन और ट्रॉमा सेवाओं को मजबूत करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सुंधा माताजी भक्त मंडल द्वारा अभिनंदन समारोह 22 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय श्री सुंधा माताजी भक्त मंडल द्वारा आगामी 22 फरवरी को चेन्नई जालौर भगत की कोठी तक रेगुलर ट्रेन होने के उपलक्ष्य में केंद्रीय नेताओं तथा स्थानीय नेताओं के स्वागत, सम्मान हेतु एक अभिनंदन समारोह एवम भक्ति जागरण का आयोजन कनिका परमेश्वरी कॉलेज प्रांगण में किया जा रहा है। इस अभिनंदन कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टा, जालौर सिरोही के सांसद लुंबाराम चौधरी सूचना एवं प्रसारण मंत्री एल. मुरुगन, रेलवे बोर्ड के सदस्य एम के रविचंद्रन पवन कुमार सहित अनेक केंद्रीय एवं स्थानीय भाजपा नेताओं को मंडल द्वारा आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के मंच उद्घोषक डार्विन शर्मा ने बताया कि केंद्रीय नेताओं के स्वागत अभिनंदन का कार्यक्रम होगा। उसके पहले 5 बजे भक्ति जागरण का कार्यक्रम शुरू होगा जिसमें राजस्थान से आमंत्रित भजन कलाकार दीपक राठौड़ उदयपुर ललिता पवार एंड पार्टी पाली एवं अंतर्राष्ट्रीय लोक गायिका आशा सपेरा सुमधुर धुनों पर भजनों की प्रस्तुतियां देकर माता को रिझाएंगी। कार्यक्रम की तैयारियों में सुंधामाता भक्त मंडल के अध्यक्ष किशनराज गजानी अपनी टीम के अन्य सदस्यों के साथ लगे हुए है।

चेन्नई में अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र हॉकी टूर्नामेंट 2026 सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र हॉकी टूर्नामेंट 2026, 11 से 15 फरवरी तक चेन्नई के प्रतिष्ठित मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में आयोजित किया गया, जो पांच दिनों के रोमांचक हॉकी और उत्कृष्ट खेल भावना के बाद शानदार ढंग से संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट की मेजबानी भारतीय खाद्य निगम, क्षेत्रीय खेल संवर्धन एवं सांस्कृतिक समिति (दक्षिण) ने खेल एवं सांस्कृतिक संवर्धन बोर्ड (एससीपीबी) और अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र खेल नियंत्रण बोर्ड (एआईपीएससीबी) के तत्वावधान में की। इस चैंपियनशिप में देश भर के सात सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने भाग लिया, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र में एकता, अनुशासन और खेल उत्कृष्टता की भावना को बल मिला। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सी. आर्थर, आईएएस, संयुक्त विकास आयुक्त, एमईपीजेड, चेन्नई उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पद्मश्री वासुदेवन भास्करन और श्रीमती की गरिमामय उपस्थिति रही। जैसिंथा लाजरस, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (दक्षिण) और क्षेत्रीय खेल संवर्धन एवं सांस्कृतिक समिति (दक्षिण) की अध्यक्ष, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। गणमान्य व्यक्तियों ने टीमों और आयोजकों को प्रतियोगिता के उच्च मानकों के लिए बधाई दी और नेतृत्व, टीम वर्क, सौहार्द और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने में खेलों की भूमिका की सराहना की। ग्रैंड फाइनल में केनरा बैंक और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के बीच एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। कड़े मुकाबले में, केनरा बैंक ने 0-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एफसीआई को 3-2 के मामूली अंतर से हराकर चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। एफसीआई कर्मचारियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मातृ उदागा मैयम द्वारा जीवंत थरथप्पट्टई प्रस्तुति से स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यकारी निदेशक (दक्षिण) ने अखिल भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र हॉकी टूर्नामेंट 2026 को भव्य सफलता दिलाने में सहयोग और समर्थन के लिए सभी प्रतिभागी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, तकनीकी अधिकारियों और हॉकी प्रेमियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। टूर्नामेंट के सफल समापन ने राष्ट्रीय स्तर पर खेल, सांस्कृतिक सद्भाव और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति एफसीआई की प्रतिबद्धता को एक बार फिर से पुष्ट किया।

चिकित्सकीय संस्थानों हेतु रोटरी क्लब ने किया एक हजार यूनिट रक्त का संचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल एवं रोटरैक्ट क्लब ऑफ हिंदुस्तान यूनिवर्सिटी ने कुरुथि फेज-2 नामक एक रक्तदान शिविर हिंदुस्तान ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक स्वर्गीय डॉ के सी वर्गीज की स्मृति में आयोजित किया।

चेन्नई स्थित एमजीआर हॉल, हिंदुस्तान यूनिवर्सिटी में हुए इस शिविर में एक हजार यूनिट से अधिक रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिंदुस्तान समूह के उपाध्यक्ष डॉ अशोक वर्गीज उपस्थित रहे उनके प्रयासों एवं प्रेरणा से यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक आयोजित हुआ। रक्त शिविर का उद्घाटन कम्युनिटी सर्विस डायरेक्टर, आरसीसीसी प्रशांत गिरीश ने किया।

कार्यक्रम में क्लब के अध्यक्ष अपूर्वा जे. मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि निस्वार्थ सहयोग की भावना का परिणाम है उन्होंने कहा कि रोटरी और रोटरैक्ट मिलकर सेवा का बड़ा आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं यह प्रयास डिस्ट्रिक्ट 3233 के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है।

आरसीसीसी की इस पहल में रोटेरियन राजकुमार पी. नारंग रोटेरियन राजा प्रगतीश्वरी रोटेरियन बाबा फकरुद्दीन रोटेरियन ज्ञानसेकरन सहित अनेक लोग शामिल रहे।

हस्ताक्षर — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी) ने अहमदाबाद स्थित इनसोलर एनर्जी लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। सीएसआईआर-एसईआरसी और इनसोलारे के बीच 16 फरवरी को डॉ. एन. आनंदवल्ली, निदेशक, सीएसआईआर-एसईआरसी और कर्नल पंकज शर्मा, उपाध्यक्ष (आरएंडडी), इनसोलरे द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम में सहायक महाप्रबंधक (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. आशुतोष बरुआ, बीकेएमडी के मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के. सतीश कुमार, सलाहकार (एम) एवं मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एस. परिवल्लल, डब्ल्यूईएल के मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. पी. हरिकृष्णा, एसएमएसएल के मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. सप्तर्षि सस्मल, एसएचएमएल के मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. वी. श्रीनिवास, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एम. कीर्तना, प्रधान वैज्ञानिक डॉ. मोहित वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. सुब्बुलक्ष्मी, प्रधान तकनीकी अधिकारी एवं प्रमुख आर. सतीश कुमार, केआरडी की प्रधान तकनीकी अधिकारी चित्रा शंकरन और सीएसआईआर-एसईआरसी की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी आर. सोनिया उपस्थित थीं।

तारिक रहमान आज बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेंगे

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में महत्वपूर्ण आम चुनावों में अपनी पार्टी बीएनपी को शानदार जीत दिलाने के बाद तारिक रहमान देश के अगले प्रधानमंत्री के रूप में मंगलवार को शपथ लेंगे। लंबे समय से चली आ रही एक परंपरा को तोड़ते हुए बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के अध्यक्ष तारिक रहमान (60) का शपथ ग्रहण समारोह बंगभवन के बजाय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में आयोजित किया जाएगा।सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' ने सोमवार को बताया कि राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन मंगलवार दोपहर को जातीय संसद के साउथ प्लाजा में नए मंत्रिमंडल सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। जातीय संसद सचिवालय की सचिव कनीज मौला ने बीएसएस को पहले बताया था, ''संसद सचिवालय में कल शाम चार बजे नए मंत्रिमंडल सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

इससे पहले सांसद सुबह 10 बजे जातीय संसद परिसर के साउथ प्लाजा में शपथ लेंगे।''रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे।सूत्रों के अनुसार, विदेश सचिव विक्रम मिसरी और लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह के भी बिरला के साथ उपस्थित रहने की संभावना है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.